हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार 11 अक्टूबर 2026

तापमान
अधिकतम 32.0 डिग्री से.
न्यूनतम 23.0 डिग्री से.

8 पवित्र सरोवर में डुबकी लगा की मोक्ष की कामना



8 कैशलेस सुविधा लागू करने की मांग



खबर संक्षेप

रंजिशन तेजधार हथियारों से किया हमला, दो गंभीर

जींद। गांव बड़ौद में रंजिशन तेजधार हथियारों से हमला कर घायल करने पर सदर थाना पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ जानलेवा हमला करने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव बड़ौद निवासी अंकित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव के अजय से रजिश चली आ रही है। गत आठ सितंबर को वह देर रात को घर के सामने बैठा हुआ था। उसी दौरान अजय दो गाड़ियों में कुछ युवकों को लेकर पहुचा और पर हथियारों से हमला कर दिया।

हमला कर पांच लोगों को किया घायल, 15 पर केस

जींद। गांव कंडेला में रंजिशन हमला कर पांच लोगों को घायल करने पर सदर थाना पुलिस ने 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव कंडेला निवासी सचदेव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मकान की दीवार तोडने की आवाज सुन कर पीछे चला गया। वहां पर कोई दिखाई नही दिया। जब वह वापस लौट रही था तो सुमन तथा सूरज ने उसके साथ हाथापाई करने लगे।

मकान का ताला तोड़कर नकदी और जेवरात चोरी

जींद। रोझला में बीती रात चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर जेवरात व नकदी को चोरी कर लिया। सदर थाना सफीदो पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है। रोझला निवासी कप्तान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 6 अक्टूबर को परिवार समेत बाहर चला गया था। पीछे से चोर मकान का ताला तोड़ कर घुस गए और घर से 18 हजार की नगदी, सोने की चेन, कानों की बाली, एक टीका, अंगूठी, तबीजी, पांच जोड़ी पाजेब, माता का लाकेट, बच्चों की पायल को चोरी कर लिया।

जींद में अन्न वितरण समारोह 20 अक्टूबर को

जींद। असमर्थ महिला कल्याण ट्रस्ट के प्रधान राहुल शर्मा ने बताया कि संस्था दशहरे के दिन 20 अक्टूबर को नरवाना रोड पर संस्था के 30वें वर्ष वार्षिक अन्न वितरण समारोह का आयोजन करेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के मुख्य संरक्षक तेलुराम शर्मा करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडीसी प्रदीप कुमार होंगे। जबकि बतौर वशिष्ठ अतिथि पूर्व कमांडेंट रमाकांत शर्मा, जिला परिषद जींद के पूर्व चेयरमैन सुनील शर्मा व सुखमनी साहब सेवा समिति के चेयरमैन जोगिंदर सिंह पाहवा होंगे।

सुने घर से लाखों का सामान ले उड़े चोर

जींद। कृष्णा कालोनी में परिवार के लोग अयोध्या दर्शन के लिए गए थे। पीछे से चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर नकदी, सोने व चांदी के जेवरात समेत लाखों रुपये कीमत का सामान चोरी कर लिया। शहर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कृष्ण कालोनी निवासी यमन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह परिवार समेत अयोध्या राम मंदिर के दर्शन करने गया हुआ था। पीछे से चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर पचास हजार की नकदी, दो सोने के कड़े सोने का टिकड़ा समेत अन्य सामान गायब मिला। घटना का पता घर वापस लौटने पर चला।

कैथलः नशीली गोलियां सप्लायर किया गिरफ्तार

कैथल। प्रतिबंधित नशीली गोलियां सप्लाई करने के मामले की जांच सीआईए-1 प्रभारी एसआई जसवंत सिंह की अगुवाई में एएसआई गुरदान सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव मातानरा जिला संगरूर पंजाब निवासी गुरजिंद्र सिंह को काबू कर लिया गया। आरोपी से व्यापक पुछताछ के लिए अदालत पुलिस रिमांड हासिल किया गया।

कैथल के गांव सोंगरी की बेटी प्रीति गोयत ने पास की एचसीएस की परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद/कैथल

पाया 24वां स्थान, क्षेत्र में खुशी की लहर

जिले के गांव सोंगरी की बेटी प्रीति गोयत ने हरियाणा सिविल सेवा परीक्षा में 24वां स्थान हासिल कर गांव, परिवार और जिले का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। प्रीति गोयत स्वर्गीय चंद्रगुप्त गोयत की सुपुत्री हैं। उनकी सफलता को ग्रामीण परिवेश की बेटियों की प्रतिभा, मेहनत और प्रशासनिक सेवाओं में आगे बढ़ने के संकल्प की प्रेरक मिसाल के रूप में देखा जा रहा है। गांव सोंगरी की बेटी प्रीति गोयत की सफलता से गांव और आसपास के क्षेत्र में गर्व का माहौल है। उनकी उपलब्धि उन युवाओं के लिए भी प्रेरणा है, जो प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से प्रशासनिक सेवाओं में जाने का सपना देखते हैं। हरियाणा जैसे राज्य में प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए एचसीएस परीक्षा एक महत्वपूर्ण लक्ष्य होती है। इस परीक्षा में सफलता के लिए सामान्य अध्ययन, समसामयिक घटनाओं, हरियाणा से संबंधित विषयों, विश्लेषणात्मक क्षमता और साक्षात्कार की तैयारी सहित कई स्तरों पर मेहनत करनी पड़ती है। प्रीति गोयत की सफलता ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि बेटियां अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना सकती हैं। उनकी उपलब्धि से गांव की अन्य बेटियों और युवाओं को भी बड़े लक्ष्य निर्धारित करने तथा उन्हें हासिल करने के लिए प्रेरित होने का अवसर मिलेगा। प्रीति गोयत स्वर्गीय चंद्रगुप्त गोयत की सुपुत्री हैं। उनकी इस उपलब्धि को परिवार के लिए गर्व और सम्मान का क्षण माना जा रहा है। किसी भी परिवार के लिए यह विशेष खुशी की बात होती है कि उसकी बेटी अपनी मेहनत से प्रतियोगी परीक्षा में उल्लेखनीय स्थान प्राप्त करे और अपने गांव की पहचान को नई उपलब्धि से जोड़े। उनकी सफलता के अवसर पर उन्हें बधाई देने वाले लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। साथ ही उम्मीद जताई है कि वह भविष्य में अपनी प्रतिभा और कार्यक्षमता से हरियाणा की प्रशासनिक सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के सामने अक्सर पढ़ाई, संसाधनों और अवसरों से जुड़ी चुनौतियां होती हैं। ऐसे में एचसीएस जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में अच्छा स्थान हासिल करने वाले अभ्यर्थियों की सफलता दूसरे युवाओं को भी निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा देती है।



कैथल। प्रीति गोयत अपनी मां के साथ। फोटो :हरिभूमि

सफलता के लिए निरंतर प्रयास करें

प्रीति गोयत की उपलब्धि से गांव सोंगरी सहित कैथल जिले के युवाओं को भी संदेश मिलता है कि वे अपनी क्षमता पर विश्वास रखते हुए लक्ष्य निर्धारित करें और उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करें।

पूर्व मंत्री ने दी बधाई

गांव सोंगरी की बेटी प्रीति गोयत को एचसीएस में 24वां स्थान हासिल करने पर प्रीति को पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा ने बधाई दी। उन्होने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई जाती है कि वह अपनी उपलब्धियों से परिवार, गांव, कैथल जिले और हरियाणा का नाम आगे भी रोशन करती रहेंगी।

सीजेपी के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के चलते उठाया कदम

दिल्ली की ओर जाने वाली ट्रेनें रही रद्द, यात्री परेशान

जींद से चलने व होकर गुजरने वाली 12 रेलगाड़ियां शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

रोडवेज बसों में भी यात्रियों की भीड़ ज्यादा रही

दिल्ली में काक्रोच जनता पार्टी के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के चलते सुरक्षा की दृष्टि से दिल्ली की ओर जाने वाली ट्रेनों को शनिवार को रद रखा गया है। इसमें जींद से चलने वाली या जींद से होकर गुजरने वाली 12 ट्रेन शामिल रही। जिसमें ट्रेन नंबर 64912 जींद-दिल्ली मेमू, ट्रेन नंबर 64915, ट्रेन नंबर 64932, ट्रेन नंबर 64931, ट्रेन नंबर 54032, ट्रेन नंबर 54035, ट्रेन नंबर 54036, ट्रेन नंबर 54033, ट्रेन नंबर 54034, ट्रेन नंबर 54031, ट्रेन नंबर 54043ए ट्रेन नंबर 54024 पैसेंजर ट्रेन शामिल रही। ट्रेन रद रहने के कारण दिल्ली की ओर जाने वाली रोडवेज बसों में यात्रियों की भीड़ ज्यादा रही। दिल्ली की ओर जींद के कपड़ा कोस्मेटिक व्यापारी सहित अन्य यात्री जाते हैं, जो दिल्ली सरकरी व निजी संस्थान में नौकरी करते हैं। शनिवार को जैसे ही जंक्शन पर यात्री पहुंचे तो उन्हें पता चला कि दिल्ली की ओर जाने वाली ट्रेन रद हैं। ऐसे में यात्रियों ने बस स्टैंड की ओर रुख किया। बस में यात्रियों को भारी भरकम सामान के साथ सफर करना आसान नहीं होता। वहीं ट्रेन में यात्रियों को सामान रखने के साथ-साथ बैठने के लिए जगह आसानी से मिल जाती है। ट्रेन नंबर 64912 जींद-नई दिल्ली मेमू जींद जंक्शन से सुबह पांच बजकर 40 मिनट पर चलकर सुबह नौ बजकर 10 मिनट पर दिल्ली पहुंचती है। वहीं ट्रेन नंबर 64915 सुबह नौ बजकर 40 मिनट पर नई दिल्ली से चल कर दोपहर एक बजकर 10 मिनट पर जींद पहुंचती है। ट्रेन नंबर 64932 दोपहर ढाई बजे जींद से चलकर शाम छह बजे दिल्ली पहुंचती है। ट्रेन नंबर 64931 शाम छह बजकर 40 मिनट पर दिल्ली से चलकर रात नौ बजकर 50 मिनट पर दिल्ली पहुंचती है। ट्रेन नंबर 54032 सुबह सात बजकर पांच मिनट पर जींद से चलकर सुबह साढ़े 10 बजे तक पुरानी दिल्ली पहुंचती है।



जींद। जींद जंक्शन पर मौजूद यात्री। फोटो :हरिभूमि

जो निर्देश मिलेंगे उसके हिसाब से ट्रेनों का संचालन रहेगा

रेलवे जंक्शन अधीक्षक जेएस कुंडू ने बताया कि रेलवे से ओर से आगामी जो निर्देश मिलेंगे उसके हिसाब से ट्रेनों का संचालन रहेगा। रेलवे का प्रयास है कि यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा दी जा सके। दिल्ली में काक्रोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के चलते दिल्ली की ओर जाने वाली कुछ पैसेंजर ट्रेन शनिवार को रद्द रही।

ये गाड़ियां पहुंचती है जींद

ट्रेन नंबर 54035 दोपहर बाद साढ़े तीन बजे पुरानी दिल्ली से चलकर शाम लगभग सात बजे जींद पहुंचती जो पांच मिनट के ठहराव के बाद रात आठ बजकर 50 मिनट पर जाखल पहुंचती है। वहीं ट्रेन नंबर 54036 सुबह चार बजकर 35 मिनट पर जाखल से चलकर टोहाना, कालवन, धरोदीर नरवाना, उचाना के रास्ते जींद सुबह छह बजे पहुंचती है। यहां से ट्रेन रोहतक, बहादुरगढ़ व मुंढका के रास्ते सुबह साढ़े नौ बजे तक शकूरबस्ती पहुंचती है। ट्रेन नंबर 54033 शाम लगभग छह बजे शकूरबस्ती से चल कर रात लगभग पौने बजे ट्रेन जींद पहुंचती है जो पौने 10 बजे तक नरवाना पहुंचती है।

तेज रफ्तार ट्राले ने दिल्ली-कटरा नेशनल हाइवे पर बरपाया कहर

एक गाड़ी के क्लीनर को रौंदा, दूसरी के चालक-क्लीनर घायल

जींद। कालवा के पास दिल्ली-कटरा नेशनल हाइवे पर शनिवार सुबह तेज रफ्तार ट्राला ने टायर बदल रहे क्लीनर को रौंद डाला तथा कुछ दूरी पर दूसरी पिकअप गाड़ी को टक्कर मार दी। जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि दूसरी गाड़ी का चालक तथा क्लीनर घायल हो गए। घटना को अंजाम देकर चालक ट्राला समेत मौके से फरार हो गया। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। बाटा (कैथल) निवासी सुखदेव क्लीनर यूपी निवासी नीटू (35) शनिवार सुबह पिकअप में कैथल से आलू लेकर गोहाना जा रहे थे। गांव कालवा के निकट उनकी गाड़ी मे टायर पंक्चर हो गया। गाड़ी को साइड में खडा कर क्लीनर नीटू टायर बदलने लगा। उसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्राले ने नीटू को रौंद डाला। जिसमें नीटू की मौके पर ही मौत हो गई।



जींद। मौके पर पलटी गाड़ी।

मामले की जांच जारी

पिल्लूखेड़ा थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि ट्राले ने हाइवे पर एक गाडी के क्लीनर को रौंद दिया। दूसरी गाड़ी को भी टक्कर मारी। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए शव गृह में रखवाया गया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

ट्राला चालक मौके से फरार

घटना स्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर ट्राले ने आगे चल रही दूसरी टाटा मैजिक गाड़ी को टक्कर मार दी। जिसमें वह टाटा मैजिक गाडी पलट गई। जिसमे लोड आलू बिखर गया। जिसमें गाड़ी चालक गांव बाटा निवासी गोबिंद तथा क्लीनर मुकेश घायल हो गए। दूसरी घटना को भी अंजाम देकर ट्राला चालक फरार हो गया। घटना की सूचना पाकर पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और मृतक तथा घायलों को नागरिक अस्पताल पहुंचाया। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल के शव में गृह मे रखवाया गया है। पिकअप गाड़ी चालक सुखबीर ने बताया कि कैथल से दो गाडियों में आलू लोड कर गोहान मंडी ले जाया जा रहा था। उसकी गाड़ी में पंक्चर हो गया। उसका क्लीनर नीटू टायर बदल रहा था। उसी दौरान पीछे से तेजरफ्तार ट्राले ने नीटू को रौंद डाला। उनसे आगे चल रही उनकी दूसरी गाड़ी को भी उसी ट्राले में टक्कर मार दी। जिसमें गाड़ी पलट गई और उस गाड़ी का चालक तथा क्लीनर घायल हो गए। वहां से ट्राला चालक फरार हो गया।

अफीम सप्लाई करने के मामले में आरोपी दबोचा

कैथल। अफीम सप्लाई करने के मामले की जांच स्पेशल डिटेक्टिव युनीट प्रभारी पीएसआई संदीप कुमार की अगुवाई में एएसआई शमशेर सिंह द्वारा करते हुए आरोपी गांव रत्ता खेड़ा निवासी त्रिलोक को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 25 अगस्त को स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट के एएसआई बिजेन्द्र सिंह की टीम द्वारा एक गुप्त सूचना के आधार पर चीका से आरोपी गुहला निवासी देवीलाल को बाइक सहित काबू कियागया था। जिसके कब्जे से 238 ग्राम अफीम बरामद हुई थी। जिस बारे थाना चीका में मामला दर्ज कर आगामी जांच एएसआई शमशेर सिंह द्वारा अमल में लाई गई। आरोपी देवीलाल से पूछताछ दौरान खुलासा हुआ था कि उसको यह अफीम त्रिलोक द्वारा उपलब्ध करवाई गई थी। आरोपी से व्यापक पूछताछ के लिए अदालत पुलिस रिमांड हासिल किया गया।



एससी-बीसी चौपाल के विकास के लिए 3 करोड़ रुपये आबंटित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी विधानसभा क्षेत्र में अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग समाज की चौपालों के विकास को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पूण्डरी के विधायक सतपाल जाम्बा के प्रयासों से विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायतों को एससी एवं बीसी चौपालों के विकास कार्यों के लिए करीब 3 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है। बता दें कि एससी एवं बीसी चौपालों के विकास के लिए यह राशि लंबे समय से लंबित थी। विधायक सतपाल जाम्बा ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए लगातार प्रयास किए, जिसके परिणामस्वरूप अब विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायतों के लिए यह राशि आबंटित हुई है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में चौपालों के निर्माण, मरम्मत एवं अन्य आवश्यक विकास कार्यों को गति मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। विधायक सतपाल जाम्बा ने कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार प्रदेश के सभी वर्गों के कल्याण, सामाजिक समानता और समावेशी विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। चौपालों के विकास के लिए राशि आबंटित होने से ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने तथा लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने में मदद मिलेगी।

बुल रन वे कंपनी के नाम पर अधिक मुनाफे का लालच देकर लोगों से करवाया था निवेश

- क्रिप्टो ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोपित गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

आर्थिक अपराध शाखा जींद तथा थाना शहर जींद पुलिस की संयुक्त टीम ने क्रिप्टो ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से दो लाख रुपये भी बरामद किए हैं। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। आर्थिक अपराध शाखा जींद के अनुसंधान अधिकारी उपनिरीक्षक जयवीर सिंह ने बताया कि संत नगर निवासी सुरेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि बुल रन वे नामक कंपनी के संचालकों एवं उनके सहयोगियों ने क्रिप्टो ट्रेडिंग में निवेश करवाने के नाम पर लोगों को अधिक मुनाफा देने का लालच दिया और उनकी निवेश की गई राशि वापस नहीं लौटाई। उसने बताया कि कंपनी से जुड़े व्यक्तियों ने लोगों को विश्वास दिलाया था कि उनके द्वारा निवेश की गई राशि पर प्रतिदिन एक प्रतिशत तक ब्याज दिया जाएगा तथा निर्धारित अवधि में उनकी रकम दोगुनी हो जाएगी।

अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें

बैंक खातों की जांच में सामने आया कि तथ्यों के आधार पर संगरूर (पंजाब) निवासी बूटा सिंह व बरनाला (पंजाब) निवासी गुरमीत सिंह को नियमानुसार गिरफ्तार करके प्रत्येक से एक-एक लाख रुपये बरामद किए गए हैं। दोनों आरोपितों को माननीय अदालत में पेश कर आगामी कार्रवाई नियम अनुसार अमल में लाई जा रही है। पुलिस प्रवक्ता राजेश कुमार ने कहा कि जींद पुलिस आमजन से अपील करती है कि किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि समय रहते उचित कार्यवाही नियम अनुसार अमल में लाई जा सके।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हांसी रोड बिजली घर के निकट तेजरफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। शहर थाना पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर फरार वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव कुंगड़ (भिवानी) निवासी नरेश देर रात को बाइक पर सवार होकर अपने बड़े भाई सोनू से मिलने जींद आ रहा था। जब वह हासी रोड बिजली घर के निकट पहुंचा तो किसी वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें नरेश गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना को अंजाम देकर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने नरेश का नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के बड़े भाई सोनू की शिकायत पर फरार वाहन चालक मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शहर थाना के जांच अधिकारी कृष्ण ने बताया कि मृतक के भाई की शिकायत पर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

घट स्थापना का शुभ मुहूर्त प्रातःकाल सुबह 06:19 बजे से सुबह 10:12 बजे तक

शारदीय नवरात्र आज से, हाथी पर पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

शारदीय नवरात्र इस बार 11 अक्टूबर रविवार से शुरू होने जा रहे हैं। रविवार के दिन से नवरात्र शुरू होने के कारण इस बार मां दुर्गा का आगमन हाथी पर हो रहा है। जिसे बेहद शुभ, सुख, समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। नवरात्र के पहले दिन सूर्योदय के समय हस्त नक्षत्र और शुक्ल योग का संयोग रहेगा। इसके साथ ही गुरु और चंद्रमा के केंद्र संबंध से गजकेसरी योग बनेगा। श्रद्धालु रविवार को अपने घरों में कलश स्थापना करेंगे। घट स्थापना (कलश स्थापना) का शुभ मुहूर्त प्रातःकाल सुबह 06:19 बजे से सुबह 10:12 बजे तक रहेगा। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्तसुबह 11:44 बजे से दोपहर 12:31 बजे तक रहेगा। शारदीय नवरात्र सभी भक्तों के लिए बेहद खास मानी जाती हैं। क्योंकि ये नौ दिन पूरी तरह देवी मां को समर्पित होते हैं। मान्यता है कि इन दिनों देवी मां की पूजा, अर्चना कर उनके प्रति भक्ति भाव व्यक्त करने से विशेष फलों की प्राप्ति होती है। भक्त पूरे नौ दिनों तक व्रत रखते हैं और विधि विधान से माता रानी की उपासना करते हैं।



जींद। जयंती देवी मंदिर में साज-सज्जा करते हुए पुजारी।

मां दुर्गा का हाथी पर आगमन बेहद शुभकारी

जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि शारदीय नवरात्र रविवार से शुरू हो रहे हैं और इस बार मां दुर्गा का आगमन हाथी पर होगा। जोकि बेहद शुभ माना जाता है। वैसे तो साल में चार बार नवरात्रि मनाई जाती है। चैत्र वासंती नवरात्रि, शारदीय नवरात्रि (अश्विन नवरात्रि) के अलावा दो गुप्त नवरात्रि (माघ और आषाढ़) भी होती हैं। इनमें सबसे ज्यादा महत्व शारदीय नवरात्रि का है, जो अश्विन माह में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होती है। इस दौरान भक्त नौ दिनों तक मां दुर्गा की पूजा, उपवास और आखिरी दिन कन्या पूजन करते हैं। इन दिनों में मां दुर्गा भक्तों की प्रार्थना सुनती हैं और उन्हें आशीर्वाद देती हैं और उनकी झोली खुशियों से भर देती है।

सजी पूजा सामग्री की दुकानें

शारदीय नवरात्र को लेकर बाजार माता की मूर्ति, चुनरी, प्रसाद, कलश, पंचमेवा, अखंड ज्योत व आसन से सज गए हैं। श्रद्धालु भी बाजारों में पिछले पूजा सामग्री की खरीददारी कर रहे हैं। इसके अलावा मंदिरों को भी सजाया जा रहा है। शारदीय नवरात्रों के लिए मैया की मूर्तियों के साथ ही पौषाक, चुनरी और कलश की बिक्री बढ़ी है। मंदिरों पर भी कार्यक्रमानुसार तैयारियां चल रही हैं।

इस तरह करें घट स्थापना

जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने कहा कि सबसे पहले सुबह उठ कर ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करें और साफ वस्त्र पहनें। पूरे घर को शुद्ध करने के बाद मुख्य द्वार की चौखट पर आम के पत्तों का तोरण लगाएं। पूजा के स्थान को साफ करें और गंगाजल से पवित्र कर लें। अब वहां चौकी लगाएं और माता की प्रतिमा स्थापित करें। दुर्गा मां और गणेश जी का नाम लें। इसके बाद उत्तर और उत्तर-पूर्व दिशा में कलश की स्थापना करें। कलश स्थापना के लिए पहले एक मिट्टी के बर्तन में जौ के बीज बोएं। फिर एक तांबे के कलश में पानी और गंगाजल डालें।

मां के स्वरूपों की नौ दिन तक होगी पूजा-अर्चना

कैथल। मां दुर्गा की आराधना का पावन पर्व शारदीय नवरात्र रविवार यानी आज से शुरू होगा। नवरात्र के पहले दिन घर-घर घट स्थापना के साथ मां के स्वरूपों की नौ दिन तक पूजा-अर्चना शुरू होगी। श्रद्धालु सुबह शुभ मुहूर्त में कलश स्थापित कर मां शैलपुत्री की पूजा करेंगे। इसके लिए घरों में पूजा स्थल तैयार किए गए हैं, वहीं शहर के मंदिरों में भी साफ-सफाई और सजावट पूरी कर ली गई है। नवरात्र के पहले दिन घट स्थापना को विशेष महत्व दिया जाता है। इस बार घट स्थापना का मुहूर्त सुबह 6:19 से 10:12 बजे तक रहेगा। हनुमान वाटिका के मुख्य पुजारी पंडित विशाल शर्मा ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार नवरात्र पर्व में विधि-विधान से कलश स्थापित कर मां दुर्गा का आह्वान किया जाता है।

खबर संक्षेप

पांडु पिंडारा में होगी पांचाल महापंचायत

जींद। सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए तथा समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ जनजागरण के उद्देश्य से से पांचाल महापंचायत का आयोजन 11 अक्टूबर रविवार को सुबह 10 बजे श्री विश्वकर्मा पांचाल ब्राह्मण धर्मशाला पांडु पिंडारा में किया जाएगा। महापंचायत के संयोजक रामदिया पांचाल उचाना ने बताया कि महापंचायत का मुख्य उद्देश्य समाज में एकता, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव को आयोजकों ने मजबूत करना तथा समाज में फैली बुराइयों को दूर करने के लिए लोगों को जागरूक करना है।

महिला से अश्लील हरकत दांतों से काटा, मामला दर्ज

जींद। शहर थाना इलाके में महिला के साथ अश्लील हरकत करने तथा दांतों से काटने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शहर थाना इलाके की एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत छह अक्टूबर रात को वह घर मे अकेली थी। उसी दौरान अज्ञात व्यक्ति उसके घर में घुस आया। आरोपित ने उसके साथ अश्लील हरकत शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपित ने उसे मारने की धमकी दी। आरोपित ने उसे दांतों से काट डाला।

विधायक देवेंद्र अत्री वायदे पूरे करने में जुटे : प्रवीण

उचाना। मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन प्रवीण गर्ग ने कहा कि विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री की अगुवाई में उचाना निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि विधायक ने हलके की जनता से जो वायदे किए थे, उन्हें पूरा करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। उनकी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। विधायक विकास कार्यों और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दे रहे हैं। उनके अनुसार, आज विपक्ष के पास उठाने के लिए कोई मुद्दा नहीं है और क्षेत्र में विकास कार्यों को गति दी जा रही है।

सैनिक वाटिका में फ्री हृदय जांच शिविर

जींद। गोहाना रोड स्थित सैनिक वाटिका में शनिवार को पूर्व सैनिक कल्याण संगठन की ओर से निशुल्क हृदय जांच एवं चिकित्सा शिविर और सैनिक परिवारजनों की मासिक सभा का आयोजन किया गया। शिविर में सैनिकों और आमजन को स्वास्थ्य जांच की सुविधाएं उपलब्ध करवाई गईं। वहीं मासिक सभा में सैकड़ों पूर्व सैनिकों और उनके परिवारजनों ने भाग लेकर अपनी समस्याओं और कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा की। निशुल्क चिकित्सा शिविर में शहर के एक निजी अस्पताल के डा. धनंजय, डा. अजय खोखर और उनकी टीम ने सेवाएं दीं।

पीआर धान बेचने के लिए मंडियों में किसान परेशान

उचाना। जजपा युवा प्रदेश सचिव विकास श्योकंद ने कहा कि पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के सत्ता में रहते किसानों को फसल बेचने में परेशानी नहीं होती थी और फसल बिकते ही उनके खातों में भुगतान आ जाता था। उन्होंने दावा किया कि दुष्यंत चौटाला ने अपने कार्यकाल में किसानों के हित में अनेक कार्य किए। श्योकंद ने कहा कि आज किसान पीआर धान बेचने के लिए मंडियों में कई-कई दिन रुकने को मजबूर हैं। किसानों को सड़क जाम करना पड़ रहा है, वहीं आढ़ती मंडियों के गेट पर ताले लगा रहे हैं। आरोप लगाया कि किसान-आढ़तियों की समस्याओं को सुनने वाला कोई नहीं है।

माता वैष्णवी धाम में नर्वाण महायज्ञ आज से

जींद। आश्विन नवरात्रों के उपलक्ष में 11 अक्तूबर से 19 अक्तूबर तक माता वैष्णवी धाम में जन-जन के कल्याणार्थ नवार्ण महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। महायज्ञ के दौरान नित्य-प्रति रात्रि के समय पूजन, हवन, संकीर्तन व प्रवचन का कार्यक्रम रहेगा। माता वैष्णवी धाम के मैनेजिंग ट्रस्टी आचार्य पवन शर्मा ने बताया कि नौ दिनों तक चलने वाले इस महायज्ञ के मुख्य यजमान हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा होंगे।

सर्वपितृ अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने किया पिंडदान

पवित्र सरोवर में डुबकी लगा की मोक्ष की कामना

मेले में श्रद्धालुओं ने जमकर की खरीदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

महाभारत कालीन ऐतिहासिक तीर्थ पांडू पिंडारा में शनिवार को सर्वपितृ अमवस्या पर श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान किया तथा पिंडदान करके करके तर्पण किया। सनातन धर्म में श्राद्ध का विशेष महत्व माना जाता है लेकिन अगर किसी को अपने पितरों की पुण्यतिथि याद न हो तो इस स्थिति में सर्वपितृ श्राद्ध अमावस्या के दिन उन पितरों का श्राद्ध किया जा सकता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन श्राद्ध किए जाने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। ऐतिहासिक पिंडतारक तीर्थ पर शुक्रवार को शाम से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। पूरी रात धर्मशालाओं में सत्संग तथा कीर्तन आदि का आयोजन चलता रहा। शनिवार सुबह से ही श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान तथा पिंडदान शुरू कर दिया जो मध्यान्ह के बाद तक चलता रहा। इस मौके पर दूर दराज से आए श्रद्धालुओं ने अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया तथा सूर्यदेव को जलार्पण करके सुख समृद्धि की कामना की। पिंडारा तीर्थ पर पहुंचे श्रद्धालुओं ने जमकर खरीददारी की। तीर्थ पर जगह-जगह लोगों ने सामान बेचने के लिए फड़ें लगाई हुई थी। जिस पर बच्चों तथा महिलाओं ने खरीददारी की। बच्चों ने जहां अपने लिए खिलौने खरीदे तो वहीं बड़ों ने भी घर के लिए सामान खरीदे। जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि पिंडतारक तीर्थ के संबंध में किदवंती है कि महाभारत युद्ध के बाद पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पांडवों ने यहां 12 वर्ष तक सोमवती अमावस्या की प्रतीक्षा में तपस्या की। बाद में सोमवती अमावस्या के आने पर युद्ध में मारे गए परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया। तभी से यह माना जाता है कि पांडु पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष मिल जाता है। महाभारत काल से ही पितृ विसर्जन की अमावस्या, विशेषकर सोमवती अमावस्या पर यहां पिंडदान करने का विशेष महत्व है। यहां पिंडदान करने के लिए विभिन्न प्रांतों के लोग श्रद्धालु आते हैं।



जींद। पिंडारा तीर्थ पर पिंडदान करवाते श्रद्धालु व पिंडतारक तीर्थ पर स्नान करते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि



दोपहर तक लगा रहा का आवागमन

अमावस्या पर स्नान को लेकर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सरोवर पर पुलिस कर्मियों को यातायात नियंत्रण के लिए तैनात किया गया था। भीड़ को देखते हुए पिंडारा तीर्थ पर पुलिसकर्मियों की स्पेशल ड्यूटी को लगाया था।

जागरूकता ही एड्स से बचाव : गिल

- नशा एवं एचआईवी पर नाटक के द्वारा लोगों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पितृ अमावस्या के दिन गांव पांडु पिंडारा में शनिवार को यूथ एजुकेशन सोसाइटी के कलाकारों ने नशा एवं एचआईवी एड्स पर लोगों का मनोरंजन करते लोगों को जागरुक भी किया। जिसमें किरण गिल ने एक काउंसलर की भूमिका निभाते हुए बताया कि एचआईवी एड्स किन कारणों से फैलती है, इनके लक्षण क्या है और एचआईवी एड्स से कैसे बचा जा सकता है। लोगों को बताया गया कि अहम बात यह है कि बचाव ही इलाज है। इस नाटक में एक कहानी में बताया गया कि अगर कोई बच्चा बाहर पढ़ रहा है तो हमें उसका ध्यान रखना चाहिए और समय- समय पर हमें उससे मिलते रहना चाहिए। क्योंकि जो बच्चा बाहर पड़ता है, हम उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दे पाते हैं और वह किसी बुरी संगति में पड़ के नशे का आदि हो जाता है और एचआईवी वायरस की चपेट में आ जाता है। इसलिए समय-समय पर बच्चे का ध्यान रखें और उसे पढ़ाई के साथ साथ अच्छे संस्कार भी देने चाहिए। क्योंकि पढ़ाई जैसे हमारे जीवन में पूरी जिंदगी काम आती है, वे ही संस्कार भी हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा हैं। इसलिए दोनों ही चीज जिंदगी में होनी जरूरी है। इस प्रकार कलाकारों ने बहुत ही अच्छे तरीके से नाटक प्रस्तुत किया एवं लोगो का हंसी मजाक व डांस के माध्यम से लोगो को जागरूक किया। कलाकारों की भूमिका रमेश सैनी, किरण गिल, हारमोनियम मास्टर राजेंद्र, ढोलक मास्टर प्रकाश एवं सीमा मौजूद रहे।



जींद। नृत्य के माध्यम से जानकारी देते किरण गिल व अन्य। फोटो :हरिभूमि

उचाना में मां बनभौरी का विशाल जागरण आज

उचाना। पुरानी अनाज मंडी में 11 अक्टूबर को प्रथम नवरात्र के अवसर पर जय मां बनभौरी सेवा समिति उचाना की ओर से द्वितीय विशाल जागरण आयोजित किया जाएगा। जागरण को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। समिति सदस्य शहर और अनाज मंडी में दुकानदारों को निमंत्रण दे रहे हैं, वहीं महिलाओं की टीम कॉलोनियों में घर-घर जाकर श्रद्धालुओं को आमंत्रित कर रही है। समिति प्रधान गौरव के नेतृत्व में विकास मखंड, अनिल, प्रवीण, श्यामलाल, कौशल, महाबीर मखंड, नरेश बंसल, उदित, दर्पण और विकास सहित अन्य सदस्य निमंत्रण अभियान में जुटे हैं। महिलाओं की टीम में पूर्व पार्षद सोनिया बंसल, आरती जैन, राजबाला, अनिता, कविता, इंदू, बबीता, शीला और मनीषा शामिल हैं। समिति के अनुसार, मां बनभौरी की पावन ज्योत बनभौरी धाम से श्रद्धालु पैदल लेकर उचाना मंडी पहुंचेंगे।

सफीदों में बहेगी आध्यात्मिक लहर भारी संख्या में पहुंचेगी साध संगत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

आगामी 11 अक्टूबर रविवार को सुबह 11 बजे से दो बजे तक सफीदों के खानसर चौक के नजदीक बस स्टैंड रोड खुले मैदान में विशाल निरंकारी संत समागम का आयोजन किया जाएगा। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की असीम कृपा से इस समागम में आदरणीय निरंकारी राजपिता रमित जी आशीर्वाद प्रदान करेंगे। जानकारी देते टोहाना जोन के जोनल इंचार्ज रमन नागपाल ने बताया कि इस समागम में जिला जींद, सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, रोहतक, पानीपत, सोनीपत व आस पास के इलाके से हजारों की संख्या में साध संगत भाग लेंगी। इस अवसर पर उन्होंने इलाके के सभी धर्म प्रेमी भाई बहनों को आमंत्रित किया। उल्लेखनीय है कि 79वां वार्षिक निरंकारी संत समागम भी इसी माह 23 से 26 अक्टूबर सड्डत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल समालखा में आयोजित किया जाएगा। सन्त निरंकारी मिशन ब्रांच सफीदों के मुखी महात्मा रमेश थनेई ने बताया कि समागम की सम्पन्नता पर सभी के लिए गुरु का लंगर (भंडारा) वितरित किया जाएगा।



अग्रसेन जयंती को राष्ट्रीय पर्व घोषित करने की मांग

जींद। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजकुमार गोयल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से महाराजा अग्रसेन जयंती को राष्ट्रीय पर्व घोषित करने की मांग की है। कहा कि महाराजा अग्रसेन ने समाजवादए समानता, अहिंसा और सामाजिक सहयोग का संदेश देकर समाज को नई दिशा दी। उनके आदर्श आज भी सामाजिक समरसता और जनकल्याण के लिए प्रेरणास्रोत हैं। गोयल अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। डा. गोयल ने कहा कि 11 अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर केंद्र सरकार को इस दिशा में ऐतिहासिक पहल करनी चाहिए। यदि महाराजा अग्रसेन जयंती को राष्ट्रीय पर्व का दर्जा दिया जाता है तो यह देशभर के करोड़ों लोगों के लिए गौरव का विषय होगा।



उचाना। बीसी धर्मशाला में आयोजित मीटिंग। फोटो :हरिभूमि

रिटायर्ड कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन की ब्लॉक गठित के प्रधान बने सत्यनारायण वर्मा

उचाना। उचाना की बीसी धर्मशाला में रिटायर्ड कर्मचारी एवं अधिकारी वेलफेयर एसोसिएशन उचाना ब्लॉक की बैठक हुई। अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान सत्यनारायण वर्मा ने की। बैठक में सर्वसम्मति से ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें सत्यनारायण वर्मा को प्रधान, कर्मचंद शर्मा को वरिष्ठ उपप्रधान, बिछा राम को महासचिव, सतबीर सिंह को सहसचिव और मांगेराम को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठक में जिला उपप्रधान मिया सिंह खटकड़ और जिला कार्यकारिणी सदस्य दलबीर रेढू पर्यवेक्षक के रूप में पहुंचे। जिला प्रधान किताब सिंह भनवाला और जिला कोषाध्यक्ष शमशेर सिंह ढांडा विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे।



जींद। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजकुमार गोयल व अन्य पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

मोतीलाल नेहरू स्कूल में बच्चों की प्रगति पर मंथन

जींद। मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में प्रथम स्तर की परीक्षा के परिणाम को लेकर अभिभावक-अध्यापक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की समीक्षा की गई और उनके प्रदर्शन में सुधार के लिए अभिभावकों व शिक्षकों ने विचार-विमर्श किया। इस दौरान बच्चों की पढ़ाई, अनुशासन, नियमित अभ्यास और सर्वांगीण विकास पर जोर दिया। बैठक में शिक्षकों ने अभिभावकों के साथ विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम सांझा किए। बताया कि किन विषयों में बच्चों ने अच्छा प्रदर्शन किया है और किन विषयों में उन्हें अतिरिक्त मेहनत की जरूरत है। साथ ही गृहकार्य समय पर पूरा करने नियमित पढ़ाई करने कक्षा में सक्रिय भागीदारी के महत्व से अवगत करवाया। प्राचार्य रविंद्र कुमार ने अभिभावकों से बातचीत करते कहा कि परीक्षा परिणाम केवल अंकों का विवरण नही बल्कि छात्रों की शैक्षणिक स्थिति को समझने और सुधार की दिशा तय करने का माध्यम है।



जींद। मीटिंग में मौजूद अभिभावक और अध्यापक। फोटो :हरिभूमि



उचाना। कार्यक्रम में पहुंचे हांसी एसडीएम डॉ. राजेश खोथ।

उचाना खुर्द में पंचगामा विकास मॉडल स्कीम लॉन्च

उचाना। उचाना उपमंडल के गांव उचाना खुर्द की बड़ी चौपाल में पंचगामा विकास मॉडल स्कीम के सेक्टर-17 की लॉन्चिंग एसडीएम हांसी डॉ. राजेश खोथ ने गांव के सरपंच सतबीर श्योकंद की अध्यक्षता में की। योजना के तहत जींद जिले के 180 गांवों को 60 सेक्टर में बांटा गया है। प्रत्येक सेक्टर में पांच गांव शामिल किए गए हैं। सेक्टर-17 में उचाना खुर्द से जय भगवान प्रवक्ता, खेड़ी मसानिया से अजमेर एडवोकेट, सेढ़ा माजरा से मा. सुशील कुमार, बुडायन से मा. जोगिंद्र सैनी और भौंगरा से सरपंच सुखविंद्र को संयोजक नियुक्त किया गया। कार्यक्रम के सह-संयोजक मास्टर रामप्रसाद ने बताया कि योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान और विकास कार्यों को गति देना है। डॉ. राजेश खोथ ने कहा कि देश की आत्मा गांवों में बसती है। नई पीढ़ी को सही दिशा दिखाना सभी का दायित्व है।



नरवाना। छात्राओं के साथ प्रिंसिपल एवं स्टाफ। फोटो :हरिभूमि

एसडी महाविद्यालय की छात्राओं ने फहराया परचम

नरवाना। सनातन धर्म महिला कालेज नरवाना की प्राचार्या डॉ अंजना लोहान व कालेज की रेड रिबन क्लब की नोडल ऑफिसर डॉ अनीता छाबड़ा ने बताया कि विवि जींद में जिला स्तर पर रेड रन प्रतियोगिता में हुई 5 किलोमीटर की रेस में हमारे कॉलेज की छात्रा आरती पहले, प्रिया दूसरे, टीना तीसरे व काजल चौथे स्थान पर रही। पहली पांच पोजीशन में चार पोजीशन हमारे कॉलेज की छात्राओं की रही। ये छात्राएं आगे राज्य स्तर पर होने वाली रेड रन प्रतियोगिता में जाएगी। प्राचार्या डॉ अंजना लोहान ने बताया कि गत वर्ष भी हमारी छात्रा आरती डॉ अनीता छाबड़ा के साथ नागालैंड में आयोजित रेड रन प्रतियोगिता में भाग ले चुकी है। इस बार भी हमें पूरी उम्मीद है कि हमारी छात्राएं राज्य स्तरीय व राष्ट्र स्तरीय रेड रन प्रतियोगिता में अवश्य पोजीशन प्राप्त करेगी। संस्था के प्रधान सुरेश सिंघल, उप प्रधान राजकुमार गोयल, महासचिव जियालाल गोयल व कोषाध्यक्ष धर्मवीर गोयल ने शानदार उपलब्धि के लिए प्राचार्या, नोडल ऑफिसर व विजेता छात्राओं को बधाई दी।

कैशलेस सुविधा लागू करने की मांग

- पुलिस लाइन में पेंशनर्स ने लंबित मांगों को लेकर किया मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पुलिस लाइन में में पुलिस कर्मचारी एसो की बैठक जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह बांगड की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन मिया सिंह ने किया। बैठक में हरियाणा पुलिस एसो का संगठन राज्य स्तरीय मनाने पर भी चर्चा की गई। बैठक में मांग की गई कि पुरानी पेंशन नीति लागू की जाए जैसा कि केंद्र सरकार द्वारा यह नीति लागू करने की घोषणा की गई है। पेंशनरों की पेशन 65-70-75 वर्ष की आयु होने पर 10-15-20 प्रतिशत की वृद्धि की जाए। कैशलेस सुविधा सभी बीमारियों में लागू हो और सरकार द्वारा दी गई हिदायतों के अनुसार लागू की जाए। मेडिकल भत्ता एक हजार रुपये से बढाकर तीन हजार रुपये किया जाए। पुलिस कर्मचारियों की डयूटी आठ घंटे की जाए तथा सभी को व्हीकल उपलब्ध करवाए जाएं। पुलिस विभाग में रिक्तियों अनुसार वरिष्ठता एवं योग्यता अनुसार पदोन्नति दी जाए और हर यूनिट में वरिष्ठता सूची तैयार करवाई जाए। पुलिस विभाग में सरकार द्वारा स्थायी भर्ती की जाए। माननीय न्यायालयों द्वारा दिए गए कर्मचारियों व सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हक में फैसले लागू किए जाएं। आठवें वेतन आयोग को भी कर्मचारियों व सेवानिवृत्तों के लिए सातवें पे आयोग अनुसार वेतन व पैन्शन में वृद्धि की जाए। एक जनवरी 2028 से पहले से कर्मचारियों व सेवानिवृतों को पहले से मिलने वाली एलटीसी सुविधा लगातार दी जाए। इस मौके पर रतन सिंह, अंग्रेज सिंह, हरिराम, रामचंद्र, रामफल, राजेंद्र सिंह, रामकरण हुड्डा, इंद्र सिंह, सूरजमल, बालकिशन, रामकुमार, बलबीर सिंह, वेदपाल राणा, देवीदयाल, मेवा सिंह, बलराज, जगदीश चंद्र, पवन कुमार व अन्य मौजूद थे।



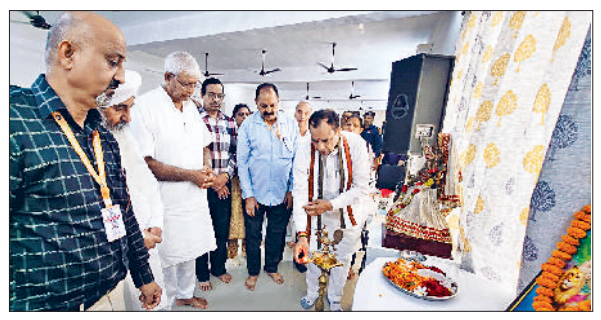

जींद। कार्यक्रम का शुभारंभ करते मोहनलाल बड़ौली। फोटो :हरिभूमि

सिलाई प्रशिक्षण से महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

जींद। सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भारत विकास परिषद जनकल्याण और समाजसेवा के क्षेत्र में हमेशा सराहनीय योगदान देती रही है। परिषद जरूरतमंद लोगों की सहायता करने के साथ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। वे शनिवार को भाविप की ओर से महिलाओं के लिए शुरू किए सिलाई केंद्र के उद्घाटन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। कहा कि सिलाई केंद्र से जरूरतमंद महिलाओं को प्रशिक्षण देकर हुनरमंद बनाया जाएगा, जिससे वे स्वरोजगार अपनाकर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। इसी कड़ी में भाविप की ओर से निजी स्कूल में राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाती हैं।

पुरानी अनाज मंडी में रामलीला प्रारंभ, श्रवण कुमार के मंचन के साथ लोग हुए भावुक

श्रवण कुमार के माता-पिता ने राजा दशरथ को श्राप देकर पुत्र वियोग में अपने प्राण त्याग दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

श्री रामा भारतीय कला केंद्र के द्वारा पुरानी अनाज मंडी में रामलीला का मंचन श्रवण कुमार के ड्रामे के साथ शुरू हुआ। शुक्रवार को मुख्यतिथि के रूप में बाबा गैबी साहब मंदिर के महंत अजय गिरी ने शिरकत की। इनके अलावा पूर्व नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि हंसराज समैण भी मौजूद रहे। पहले दिन लीला में दिखाया गया कि श्रवण कुमार राजा दशरथ के दरबार में पहुंच जाता है। वहां पर उसे मालूम चलता है कि उसके माता-पिता जन्म से अंधे नहीं है गुरु वशिष्ठ ने बताया कि यदि उनको सभी तीर्थ का स्नान करवा दिया जाये तो उनकी आंखों की रोशनी वापस आ सकती हैं,तब श्रवण कुमार प्रण लेता है कि वो कंधों पर तीर्थ यात्रा करवायेगा। उसके बाद वह अपने अंधे माता-पिता को तीर्थ यात्राओं पर ले जाता है। बीच रास्ते जब उन्हें प्यास लगती है तो श्रवण कुमार उनके लिए साथ लगी नहर से पानी लेने के लिए चला जाता है। उसी समय राजा दशरथ भी वहीं आसपास शिकार कर रहे होते हैं और वह पानी की आवाज को सुनते है, जिससे उन्हें यह लगता है कोई पशु पानी पी रहा है। इसी वजह से वह शब्द भेदी बाण छोड़ देते हैं और वह बाण सीधा श्रवण कुमार को लग जाता है फिर श्रवण कुमार वहीं पर अपने प्राण त्याग देता है। जब इस बात की जानकारी राजा दशरथ को लगती है तो वह बहुत दुखी हो जाता है और श्रवण कुमार के माता पिता के पास चला जाता है। उसके बाद दशरथ दोनों को श्रवण कुमार के शव के पास ले जाता है। वहां श्रवण कुमार के माता पिता राजा दशरथ को श्राप देकर पुत्र वियोग में अपने प्राण त्याग देते है।



नरवाना। अपने माता पिता को तीर्थ यात्रा पर लेकर जाता श्रवण कुमार।

ये रहे मौजूद

प्रधान भारत भूषण गर्ग, संरक्षक सुशील कौशिक एडवोकेट, हंसराज समैण, वीरेंद्र नैन, मंजीत गौरा, वेद अरोड़ा, प्रेम अरोड़ा, सत्यवान गोस्वामी, अर्जुन गोयल, डीपी रायका, ललित, निखिल गर्ग के अलावा काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।



उचाना। ओम इंटरनेशनल स्कूल दरोली खेड़ा में आयोजित सेमिनार।

सशक्त पैरेंटिंग से ही नशा मुक्त परिवार की मजबूत नींव : अनिल

उचाना। दरोली खेड़ा गांव स्थित ओम इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के प्रांगण में हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की राज्य स्तरीय परियोजना बाल सलाह एवं परामर्श के सौजन्य से सशक्त पैरेंटिंग, नशा मुक्त परिवार की सुदृढ़ नींव सामाजिक सराहना की हकदार विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें मंडलीय बाल कल्याण अधिकारी रोहतक एवं राज्य नोडल अधिकारी अनिल मलिक ने मुख्य वक्ता के रूप में अभिभावकों को संबोधित किया। मलिक ने कहा कि बच्चों पर हुक्म चलाना, उन पर पूरा नियंत्रण रखना या उन्हें अपनी इच्छा के मुताबिक ढालना सशक्त पैरेंटिंग नहीं है। सशक्त पैरेंटिंग का अर्थ निस्वार्थ भाव से बच्चों को बिना शर्त प्यार देना, आपसी समझ विकसित करना, समानुभूति के साथ संवाद करना और उनकी तुलना दूसरे बच्चों से करने से बचना है। माता-पिता को बच्चों की भावनाओं को समझते उन्हें सही दिशा दिखानी चाहिए। कार्यक्रम की संयुक्त अध्यक्षता स्कूल की चेयरपर्सन शर्मिला, प्राचार्या डिंपल अरोड़ा ने की। इस अवसर पर स्कूल डायरेक्टर हरदीप श्योकंद, अजीत गौतम सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय बालिका बॉक्सिंग चैंपियनशिप 15 को

कैथल। आर.के.एस.डी. पब्लिक स्कूल, कैथल में 15 से 20 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाली सीबीएसई राष्ट्रीय बालिका बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 के संबंध में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। विक्रम ढुल तथा विद्यालय की प्राचार्या निवेदिता भट्ट ने प्रतियोगिता के उद्देश्य, तैयारियों और खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यह प्रतियोगिता सीबीएसई द्वारा आयोजित की जाती है। प्रतियोगिता में पहुँचने से पहले खिलाड़ियों को ईस्ट, वेस्ट, नॉर्थ और साउथ जोन में आयोजित जोनल प्रतियोगिताओं में भाग लेना होता है।

छोटू राम स्टेडियम में हुए योग एवं कबड्डी मैच

कैथल। सेवा संकल्प अभियान के तहत छोटू राम इंडोर स्टेडियम कैथल में योग एवं कबड्डी मैचों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने, खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा अनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रजत मोर ने शिरकत की। उन्होंने खिलाड़ियों को नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने तथा अपने जीवन में योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया। सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना, स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रोत्साहित करना है।

विक्रम कसाना के नेतृत्व में किसानों ने की नारेबाजी

धान खरीद में हो रही लूट, सरकार और प्रशासन के खिलाफ भड़के किसान

बोले- समर्थन मूल्य पर नहीं बिक रहा धान, उठाना पड़ रहा भारी नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी



पूंडरी। पूंडरी में किसान सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए। फोटो : हरिभूमि

अनाज मंडी में धान की सरकारी खरीद सुचारू रूप से नहीं होने के कारण किसानों का गुस्सा लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार को भारतीय किसान यूनियन के युवा प्रदेश अध्यक्ष विक्रम कसाना के नेतृत्व में किसानों ने मंडी में सरकार और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसानों ने आरोप लगाया कि मंडी में उनके धान की सरकारी खरीद नहीं हो रही, बल्कि राइस मिल संचालकों की मनमानी के चलते उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों का कहना था कि सरकार ने धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित कर रखा है, लेकिन इसके बावजूद उनकी फसल समर्थन मूल्य पर नहीं बिक रही। मजबूरी में किसानों को कम भाव पर धान बेचना पड़ रहा है।

मंडी को सेलर संचालकों के भरोसे छोड़ने का आरोप

इस दौरान किसान शिबू बरसाना ने आरोप लगाया कि पूंडरी अनाज मंडी को सेलर संचालकों के भरोसे छोड़ दिया गया है। सेलर संचालक किसानों की मजबूरी का फायदा उठा रहे हैं और मनमाने ढंग से धान की खरीद कर रहे हैं। सरकार ने समर्थन मूल्य तो घोषित कर दिया, लेकिन किसानों को उसका लाभ नहीं मिल रहा। धान की खरीद में कटौती की जा रही है और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा। मंडी में किसान अपनी फसल लेकर पहुंच रहे हैं, लेकिन खरीद व्यवस्था सुचारू नहीं होने के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

किसान हो रहे परेशान

विक्रम कसाना ने कहा कि किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए बार-बार परेशान होना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि खरीद अधिकारियों की कार्यप्रणाली के कारण किसानों को राहत नहीं मिल रही और मंडी की व्यवस्था राइस मिल संचालकों के भरोसे चल रही है।

धान की फसल मंडी परिसर के अलावा सड़कों पर भी पड़ी हुई है। किसान अपनी उपज बेचने के लिए इंतजार कर रहे हैं, लेकिन खरीद में आ रही दिक्कतों के कारण उनकी परेशानी बढ़ती जा रही है। किसान पहले ही फसल तैयार करने में काफी मेहनत और खर्च कर चुके हैं। अब उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य पाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

विधायक सतपाल जांबा के दावों पर उठाए सवाल

किसानों ने पूंडरी के विधायक सतपाल जांबा की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। विक्रम कसाना ने कहा कि विधायक सतपाल जांबा अनाज मंडी में आकर धान की खरीद सुचारू करवाने के बड़े-बड़े दावे करते थे, लेकिन किसानों के अनुसार धरातल पर उन दावों का असर दिखाई नहीं दे रहा। किसानों को आज भी अपनी फसल बेचने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। सरकार के मंत्रियों से लेकर मुख्यमंत्री तक किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठा रहे हैं। इसके कारण किसानों को अपनी मांगें मनवाने के लिए बार-बार सड़कों पर उतरना पड़ रहा है।

सुधार नहीं हुआ तो जाम लगाकर करेंगे आंदोलन

विक्रम कसाना ने चेतावनी दी कि यदि पूंडरी अनाज मंडी में धान की खरीद व्यवस्था में जल्द सुधार नहीं किया गया और किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य नहीं मिला, तो किसान सड़कों पर जाम लगाकर सरकार के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे। प्रदेशभर में धान खरीद को लेकर किसान परेशान हैं और उनकी समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए। इस दौरान काफी संख्या में किसान मौजूद रहे।

धान की हुई खरीद, उठान में तेजी लाने पर रहा जोर



पूंडरी। बस स्टैंड पर पड़ी धान की ढेरियां। फोटो : हरिभूमि

- डीसी के निर्देशानुसार सरकारी खरीद प्रक्रिया पर प्रशासन की नजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

जिले की विभिन्न अनाज मंडियों में धान की आवक और सरकारी खरीद प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। किसानों की सुविधा और धान की सुचारू खरीद सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन लगातार निगरानी बनाए हुए है। डीसी अपराजिता के निर्देशानुसार खरीद एजेंसियों द्वारा किसानों की फसल एमएसपी पर खरीदने के साथ-साथ खरीदे गए धान का समय पर उठान सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है। 9 अक्टूबर तक जिले की विभिन्न मंडियों में कुल 1,93,684 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। वहीं, 46,162 मीट्रिक टन धान का उठान किया गया है। प्रशासन का प्रयास है कि मंडियों में फसल लेकर पहुंचने वाले किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

खरीद और उत्थान कार्य में और तेजी लाएं एजेंसी

डीसी अपराजिता के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मंडियों में व्यवस्थाएं सुचारू बनाए रखने के लिए खरीदे गए धान का समय पर उठान करवाएं। इसके तहत खरीद एजेंसिया खरीद प्रक्रिया में और तेजी लाएं। मंडियों में धान की आवक के अनुरूप खरीद और उठान का कार्य लगातार चलता रहे, ताकि किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। विभाग ने 95,234 मीट्रिक टन धान की खरीद की है। इसी प्रकार हैफेड द्वारा 64,642 मीट्रिक टन तथा हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन द्वारा 33,808 मीट्रिक टन धान खरीदा गया है। सभी एजेंसियों के माध्यम से खरीद प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। जिले की सभी मंडियों में धान की खरीद का कार्य जारी है। अरनौली में 2,511 मीट्रिक टन, भागल में 2,243 मीट्रिक टन, ढांड में 32,329 मीट्रिक टन, धनौरी में 122 मीट्रिक टन, गुहला चीका की पुरानी मंडी में 18,210 मीट्रिक टन तथा नई मंडी में 29,143 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है।

शक्ति की उपासना ही महामाया की आराधना : रवि दत्त

- नवरात्रों पर देवी की पूजा कर महामाया का आह्वान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी



पंडित रवि दत्त शास्त्री।

पुंडरी के प्रसिद्ध धर्माचार्य पंडित रवि दत्त शास्त्री ने बताया कि आदिकाल से ही मनुष्य शक्ति की उपासना करता रहा है यह शक्ति दुर्गा, काली, लक्ष्मी, सरस्वती और अन्य रूपों में पूरे विश्व में व्याप्त है। नवरात्रों के अवसर पर देवी की पूजा कर महामाया का आवाहन किया जाता है। और शक्ति से आशीर्वाद ग्रहण करके ही मनुष्य चेतना पुष्पित और पल्लवित होती है जिससे विवेक जागृत होता है। इन दिनों घर-घर में नवदुर्गा का पाठ होता है। बहुत से लोग व्रत रखते हैं और विशेष बात यह है कि महापर्व के इन दिनों में सभी के भीतर शक्ति के आशीर्वाद स्वरुप मानव संयमित जीवन धारा उतर आती है। लेकिन यदि हमारे जीवन में नित्य ही शक्ति की पूजा का विधान उतर जाए तो इससे श्रेष्ठ कोई बात नहीं है। प्रथम नवरात्र हो उस दिन सवेरे ही स्नान आदि नित्य कर्म से निवृत्त हो मां की प्रतिमा अथवा चित्र के सामने बैठकर दुर्गा का ध्यान करें। सर्वप्रथम गणपति की पूजा कर दीप जलाएं और अखंड ज्योत प्रज्वलित करना चाहते हो तो ऐसा स्थान चुनें जहां दीपक रखने से उसके बुझने का ओर गिरने का भय न रहे और साथ ही सरलता से दीपक तक पहुंचा जा सके। नवरात्रों में दुर्गा सप्तशती का पाठ सभी मनोकामनाएं पूर्ण करता है। आवश्यकता है कि पूर्ण श्रद्धा और आस्था से मां की पूजा अर्चना करने की और हृदय से उनके प्रति समर्पण करने की।

नवरात्रि के लिए पूजा सामग्री

मां दुर्गा की प्रतिमा अथवा चित्र, लाल चुनरी, अशोक या आम की पत्तियाँ, चावल, दुर्गा सप्तशती की किताब, लाल कलावा, गंगा जल, चंदन, नारियल, कपूर, जौ के बीच, मिट्टी का बर्तन, गुलाल, सुपारी, पान के पत्ते, लौंग, इलायची इत्यादि।

घटस्थापना का शुभ मुहूर्त

नवरात्र के पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है. इसी दिन शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना की जाती है।

- ▶▶| घटस्थापना तिथि : 11 अक्टूबर 2026, रविवार
- ▶▶| घटस्थापना शुभ मुहूर्त : सुबह 6:20 बजे से 10:12 बजे तक
- ▶▶| अभिजीत मुहूर्त: सुबह : 11:44 बजे से दोपहर 12:31 बजे तक
- ▶▶| शारदीय नवरात्र 2026 : 9 दिनों की तिथियां और महत्व

नवरात्रि पूजा विधि

सुबह जल्दी उठें और स्नान करने के बाद स्वच्छ कपड़े पहनें. ऊपर दी गई पूजा सामग्री को एकत्रित करें. पूजा की थाल सजाएं. मां दुर्गा की प्रतिमा को लाल रंग के वस्त्र में रखें. मिट्टी के बर्तन में जौ के बीज बोएं और नवमी तक प्रति दिन पानी का छिड़काव करें. पूर्ण विधि के अनुसार शुभ मुहूर्त में कलश को स्थापित करें. इसमें पहले कलश को गंगा जल से भरें, उसके मुख पर अशोक या आम की पत्तियाँ लगाएं और ऊपर नारियल रखें. कलश को लाल कपड़े से लपेटें और कलावा के माध्यम से उसे बांधें. अब इसे मिट्टी के बर्तन के पास रख दें. फूल, कपूर, अगरबत्ती, ज्योत के साथ पंचोपचार पूजा करें. नौ दिनों तक मां दुर्गा से संबंधित मंत्र का जाप करें और माता का स्वागत कर उनसे सुख-समृद्धि की कामना करें. अष्टमी या नवमी को दुर्गा पूजा के बाद नौ कन्याओं का पूजन करें और उन्हें तरह-तरह के व्यंजनों (पूड़ी, चना, हलवा) का भोग लगाएं।

पहले नवरात्रे से शुरू होगी सांझी माता की पूजा-अर्चना

कलायत। नवरात्रों के आगमन के साथ ही धार्मिक आस्था और पारंपरिक रीति-रिवाजों का सिलसिला शुरू हो जाएगा। क्षेत्र में पहले नवरात्रे से सांझी माता की पूजा-अर्चना की परंपरा निभाई जाएगी। श्रद्धालु सुबह और शाम विधि-विधान से सांझी माता की पूजा करेंगे। भगवान कपिल मुनि मंदिर के पुजारी संजय गौतम और अनिरुद्ध गौतम ने बताया कि सांझी माता की पूजा का विशेष धार्मिक महत्व है। श्रद्धालु पूरे नौ दिनों तक सांझी माता की पूजा-अर्चना करते हैं। सुबह और शाम पूजा करने की परंपरा के माध्यम से परिवारों में धार्मिक संस्कारों और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाया जाता है।

न्यूज डायरी



रामलीला की तैयारियां शुरू, लगाई ड्यूटियां

गुहला-चीका। श्री भवानी मंदिर चीका में आदर्श नाटक क्लब एवं श्री भवानी मंदिर कमेटी की बैठक प्रधान बलबीर सैनी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में वर्षों से चली आ रही रामलीला मंचन की परंपरा को इस वर्ष भी भव्य रूप से आयोजित करने को लेकर चर्चा की गई। प्रधान बलबीर सैनी ने कमेटी सदस्यों के साथ विचार-विमर्श कर आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की और विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए सदस्यों की ड्यूटियां लगाईं। संस्था के सचिव हरपाल शर्मा ने बताया कि श्री भवानी मंदिर में आदर्श नाटक क्लब की ओर से लगातार 72 वर्षों से रामलीला का मंचन किया जा रहा है। इस वर्ष संगीतमय श्री रामलीला महोत्सव को विशेष रूप देने के लिए अयोध्या एवं वृंदावन धाम से पंडित राजेश दीक्षित तथा अयोध्या के कलाकारों को आमंत्रित किया गया है।

सौंदर्य एवं स्वास्थ्य विषय पर हुई संगोष्ठी

कैथल। आरकेएसडी कॉलेज, कैथल की इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल एवं महिला प्रकोष्ठ द्वारा नवीन जिंदल स्किल सेंटर के सहयोग से "सौंदर्य एवं स्वास्थ्य" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यक्तिगत साज-सज्जा, सौंदर्य देखभाल, स्वास्थ्य एवं सौंदर्य के क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक करना था। प्रधान प्रबंधक समिति अश्विनी शोरेवाला ने भागदौड़ भरी जिंदगी में इन विषयों को भी महत्व देने पर बल दिया। प्राचार्य डॉ गगन मितल ने "सौंदर्य एवं स्वास्थ्य' के विषयों को न केवल व्यक्तिगत महत्व का बताया बल्कि वर्तमान संदर्भों में इसको रोजगार उपलब्ध करवाने का सबसे महत्वपूर्ण स्त्रोत करार दिया। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों से इसके कौशल एवं शिक्षा को प्राप्त करने का आह्वान किया।

ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय में टैलेंट शो

पूंडरी। ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय, फतेहपुर-पूंडरी में यूथ एंड कल्चरल अफेयर्स विभाग के सौजन्य से तीन दिवसीय टैलेंट शो का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं की छिपी हुई प्रतिभाओं को पहचानना, उन्हें अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना तथा उनमें आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सांस्कृतिक चेतना का विकास करना था। 'ख्वाब से खिताब तक' की प्रेरणादायी भावना के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या डा. शकुंतला सिंगला और सभी स्टाफ सदस्य ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया। इसके पश्चात सरस्वती वंदना के माध्यम से विद्या की देवी माँ सरस्वती का आह्वान किया गया। इस मंगलमय शुरुआत ने संपूर्ण वातावरण को गरिमामय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण कर दिया।

स्कूलों में बदलेगा अंग्रेजी वर्णमाला का स्वरूप

कलायत। प्रदेश के राजकीय प्राथमिक स्कूलों में अब ए फार ऐपल की बजाए ए फार आसन पढ़ाया जाएगा। इसी तरह बी फॉर बॉडी, सी फॉर चक्र, ई फॉर ईगल पोज, एफ फॉर फाइव सेंसीज, जी फॉर ज्ञान मुद्रा, एच फॉर हास्य योग, आई फॉर ईश्वर प्रणिधान, जे फॉर जल नेति, के फॉर कपालभाति, एल फॉर लोटस पोज और एम फॉर मंत्र की पढ़ाई होगी। टी फॉर त्राटक, यू फॉर उपनिषद, वी फॉर वेद, डब्ल्यू फॉर व्हील पोज और एक्स फॉर एक्स-रे विजन जैसे विषयों के माध्यम से बच्चों को योग और ज्ञान की विविध अवधारणाओं से परिचित करवाने का प्रयास किया गया है। चार्ट में अंग्रेजी के अक्षरों के साथ चित्रों का इस्तेमाल बच्चों के लिए सीखने की प्रक्रिया को अधिक आकर्षक बना सकता है। वर्णमाला के पढने के स्वरूप को बदलने के लिए हरियाणा योग आयोग ने एबीसी ऑफ योगा चार्ट्स इंग्लिश सीरीज-1 जारी किया है।



कलायत। एनएचएआई मुख्य मार्ग पर जंगली वनस्पति का साम्राज्य।

अधिकारियों ने नहीं ली चंडीगढ़-हिसार राष्ट्रीय फोरलेन मार्ग की सुध

कलायत। सेवा संकल्प अभियान के बीच भी कलायत में चंडीगढ़-हिसार राष्ट्रीय फोरलैन मार्ग की संभाल लेने की जरूरत शायद एनएचएआई अधिकारियों ने नहीं समझी। जबकि पीएम मोदी ने अपने प्रथम कार्यकाल की शुरूआत में ही हरियाणा को इस मार्ग की अनमोल सौगात दी थी। बावजूद इसके कलायत क्षेत्र में सडक़ सुरक्षा और रखरखाव व्यवस्था को लेकर स्थिति चिंता जनक बनी है। यात्रियों का कहना है कि राजमार्ग पर अवैध कट, पानी निकासी नालों की जर्जर स्थिति व मुख्य मार्ग पर गंदे पानी का ठहराव हादसों को निमंत्रण दे रहा है। हालात यह हैं कि कई स्थानों पर सडक़ किनारे बने दलदली क्षेत्र से बचने के लिए ग्रामीणों को अपने स्तर पर ईंटें बिछाकर आने-जाने का रास्ता तैयार करना पड़ रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर जगह-जगह बने अवैध कट सडक़ सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बने हुए हैं।

आमजन व युवाओं को साइबर ठगी से बचाव बारे किया जागरूक

कैथल। पुलिस द्वारा आमजन को साइबर अपराधों एवं ऑनलाइन ठगी से बचाने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में साइबर थाना क्राइम से एएसआई सुनील कुमार की टीम द्वारा हनुमान वाटिका, कैथल के पास आमजन सहित युवाओं को साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों और उनसे बचाव के उपायों के बारे में जागरूक किया गया। जागरूकता अभियान के दौरान पुलिस टीम ने लोगों को बताया कि साइबर अपराधी फोन कॉल, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया, ऑनलाइन निवेश, फर्जी कस्टमर केयर नंबर और इनाम का लालच देकर लोगों को ठगी का शिकार बनाते हैं।

राष्ट्रीय नेटबॉल चैंपियनशिप के लिए हरियाणा की टीमों का चयन आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

राष्ट्रीय स्तर पर नेटबॉल में हरियाणा की मजबूत उपस्थिति बनाए रखने और आगामी प्रतियोगिताओं में प्रदेश के खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सत्र 2026-27 की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के मद्देनजर पुरुष एवं महिला टीमों के गठन के लिए चयन प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसके तहत 11 अक्टूबर को हरियाणा खेल विश्वविद्यालय, राई (सोनीपत) में विशेष चयन ट्रायल आयोजित किया जाएगा। हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एवं कैथल जिला नेटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक सहारण ने बताया कि ट्रायल सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होंगे। ट्रायल में 14 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2026 तक चलने वाले प्रथम चयन एवं प्रशिक्षण शिविर के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। चयन प्रक्रिया में खिलाड़ियों के प्रदर्शन और खेल कौशल को विशेष महत्व दिया जाएगा।

राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दमखम दिखाएंगे

अशोक सहारण ने बताया कि सत्र 2026-27 में नेटबॉल की कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इनमें 3वीं सीनियर राष्ट्रीय मिश्रित नेटबॉल चैंपियनशिप 3 से 6 दिसंबर, 2026 तक मधुबन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, इंदौर (मध्य प्रदेश) में आयोजित होगी। वहीं, 44वीं सीनियर राष्ट्रीय नेटबॉल चैंपियनशिप के महिला वर्ग की प्रतियोगिता 24 से 27 दिसंबर, 2026 तक श्री बालाजी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कलिंगा, भिवानी (हरियाणा) में होगी। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2027 में मेघालय में आयोजित होने वाले 39वें राष्ट्रीय खेलों में नेटबॉल की तीन स्पर्धाओं—ट्रेडिशनल नेटबॉल, फास्ट-5 नेटबॉल और मिक्स्ड नेटबॉल—को शामिल किया गया है। इन प्रतियोगिताओं को ध्यान में रखते हुए हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन अभी से खिलाड़ियों को तैयार करने में जुट गई है।

जाट बी.एड. कॉलेज में प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए फ्रेशर पार्टी समारोह आयोजित

अच्छा शिक्षक बनकर समाज को करें जागरूक : बैनिवाल

प्रथम वर्ष के छात्रों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल



कैथल। प्राचार्य दिनेश ढिल्लो मिस्टर फ्रैशर अंकुश को सम्मानित करते हुए तथा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी।

जाट बी.एड.कॉलेज, कैथल में आज प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए बी.एड द्वितीय के छात्रों द्वारा भव्य फ्रेशर पार्टी समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर जाट हाई स्कूल सोसाइटी के प्रधान राजकुमार बैनिवाल ने प्रबंधक समिति के सभी सदस्यों, प्राचार्य व कॉलेज के सभी स्टाफ सदस्यों के साथ शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर सभी मेहमानों का व बी.एड प्रथम वर्ष के छात्रों का बी.एड. द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं द्वारा तिलक लगाकर स्वागत किया। कॉलेज प्राचार्य डॉ दिनेश ढिल्लों व स्टाफ सदस्यों द्वारा मुख्य अतिथि सहित समस्त प्रबंधक समिति का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा समस्त प्रबंधक समिति व प्राचार्य के साथ मिलकर मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया।

अंकुश मिस्टर फ्रेशर व मैरिश मिस फ्रेशर बने

कार्यक्रम में श्रेष्ठ प्रस्तुति व सहभागिता के आधार पर अंकुश को मिस्टर फ्रेशर व मैरिश को मिस फ्रेशर का खिताब दिया गया। इन छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जाट हाई स्कूल सोसाईटी के उप प्रधान बलजिंदर सिंह बनवाला, महासचिव एडवोकेट रश्मि ढुल, कोषाध्यक्ष बलकार नैन एवं कार्यकारिणी सदस्य डॉ. सत्यवान माजरा , महावीर रविश,दलवीर कैरो,महावीर कुंडू, विक्रम सिंह, सन्नी चौशाला,राजपाल गुहणा, कुलदीप सिंह, जसवीर मानस, रजत रापड़िया, स्वतंत्र पाल, आदि रहे।

सभ्य समाज के निर्माण में अपना सहयोग दें

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजकुमार बैनिवाल ने कहा कि इस महाविद्यालय में आपने अपने जीवन के महत्वपूर्ण दो वर्ष बिताने हैं और मैं समझता हूं इस दौरान यहां आपको बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। मैं अपेक्षा करता हूं कि यहां से शिक्षा ग्रहण कर आप सभी एक अच्छा शिक्षक बने और अच्छा शिक्षक बनकर राष्ट्र निर्माण व एक सभ्य समाज के निर्माण में अपना सहयोग दें क्योंकि एक अच्छा शिक्षक ही भविष्य का निर्माता होता है। अपने व्यवहार व संस्कारों से अपने परिवार व जाट शिक्षण संस्थान का का नाम रोशन करें। इसके साथ-साथ विद्यार्थी शिक्षा में निरंतरता को बनाए रखें व हर दिन नया सीखने का प्रयास करें।

भारत को जानो व समूहगान प्रतियोगिता करवाई

पूंडरी। भारत विकास परिषद, शाखा फतेहपुर-पूंडरी द्वारा स्वामी ब्रह्मानंद गुरुकुल, पूंडरी में भारत को जानो प्रश्नोत्तरी एवं समूहगान प्रतियोगिता का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ। भारत को जानो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में छह विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता का कुशल संचालन महिला सहभागिता प्रमुख इंदु शर्मा एवं संस्कार संयोजक नरेश शर्मा ने किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता वरिष्ठ वर्ग प्रथम स्थानः डी.ए.वी. विद्यालय नैतिक एवं स्वयं द्वितीय स्थानः सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल अंजलि एवं आकाश तृतीय स्थानः गुरु नानक पब्लिक स्कूल, फरल आकाश एवं मुस्कान नें व कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थानः डी.ए.वी. स्कूल आयुष एवं चैतन्य द्वितीय स्थानः गुरु नानक पब्लिक स्कूल फरल की परिणीता एवं अनुष्का रहीं।



खबर संक्षेप

एपी फीडर की लाइन से 140 मीटर तार चोरी

कैथल। पाई सब डिवीजन के तहत 11 केवी भाणा एपी फीडर की लाइन से अज्ञात ने 140 मीटर एसीएसआर तार चोरी कर ली। निगम के अनुसार, चोरी हुए तार की कीमत करीब 17 हजार रुपये है। बिजली लाइन में लो वोल्टेज की शिकायत मिलने पर कर्मचारियों ने जांच की तो तार चोरी होने का पता चला। मामले में बिजली वितरण निगम के एसडीओ ने पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

धान उतारने के लिए नगरपालिका की जमीन पर मिली जगह

गुहला-चीका। चीका अनाज मंडी में धान की आवक बढ़ने के कारण उतारने और रखने के लिए जगह की कमी की समस्या को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नई अनाज मंडी के पास स्थित नगरपालिका की जमीन पर धान उतारने की अनुमति दी है। भाजपा नेता महेंद्र चीमां ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर इस निर्णय के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

महेंद्र चीमां ने बताया कि धान की अधिक आवक के चलते मंडी में किसानों और आढ़तियों को फसल उतारने के लिए अतिरिक्त स्थान की आवश्यकता महसूस हो रही थी। इस समस्या को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया गया। अब नपा चीका की जमीन पर धान उतारने की अनुमति प्रदान की।

धान खरीद में कटौती के विरोध में 14 को प्रदर्शन

जींद। हरियाणा की अनाज मंडियों में धान खरीद के दौरान किसानों को कथित तौर पर हो रही आर्थिक परेशानी और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम भुगतान के विरोध में किसान संगठनों ने आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है। शनिवार को नरवाना में आयोजित बैठक में संयुक्त किसान मोर्चा और हरियाणा किसान, मजदूर संघर्ष मोर्चा से जुड़े प्रतिनिधियों ने आगामी आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की। निर्णय लिया गया कि 14 अक्टूबर को हरियाणा की सभी मार्केट कमेटियों में तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। यदि धान खरीद व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

15 और 16 अक्टूबर को सातों खंडों में होगी निपुण मिशन की समीक्षा

खास बातें

- कमजोर बच्चों के लिए बनेगी सुधार योजना
- स्कूलों के निरीक्षण से लेकर अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य पूरे करने और रिपोर्ट भेजने के निर्देश : राजेश वशिष्ठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद



किताबे दिखाते हुए राजेश वशिष्ठ।

सरकारी स्कूलों में बच्चों की पढने-लिखने और गणित की बुनियादी दक्षताओं को मजबूत करने के लिए शिक्षा विभाग ने निपुण हरियाणा मिशन के तहत गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में जिले के सातों खंडों में 15 और 16 अक्टूबर को समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। बैठकों में विद्यार्थियों के शैक्षणिक परिणामों, कमजोर दक्षताओं, स्कूल निरीक्षण, कक्षा अवलोकन की विस्तार से समीक्षा होगी। साथ ही, जिन बच्चों का सीखने का स्तर अपेक्षा के अनुरूप नहीं है, उनके लिए विशेष सुधारात्मक शिक्षण योजना तैयार करने पर जोर दिया जाएगा। जिला समन्वयक एफएलएन राजेश वशिष्ठ ने बताया कि जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी की ओर से संबंधित अधिकारियों को निर्धारित एजेंडे के अनुसार तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में निपुण हरियाणा डैशबोर्ड पर उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर बच्चों की प्रगति का आंकलन किया जाएगा। समीक्षा का उद्देश्य उन कमियों की पहचान कर उनका समाधान करना है, जो बच्चों की सीखने की गति को प्रभावित कर रही हैं।

इस कार्यक्रम के अनुसार होंगी बैठकें

शिक्षा विभाग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार 15 अक्टूबर को नरवाना और सफीदों में सुबह 10 बजे बैठक होगी। इसी दिन उचाना और पिल्लूखेड़ा में दोपहर एक बजे समीक्षा की जाएगी। 16 अक्टूबर को जींद और जुलाना में सुबह 10 बजे तथा अलेवा में दोपहर एक बजे बैठक आयोजित होगी। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय पर पहुंचकर एजेंडे के अनुसार प्रगति रिपोर्ट और आवश्यक जानकारी प्रस्तुत करनी होगी।

डैशबोर्ड से पता चलेगा कहां कमजोर हैं बच्चे

बैठकों में निपुण हरियाणा डैशबोर्ड पर उपलब्ध विद्यार्थियों के परिणामों का विश्लेषण किया जाएगा। भाषा और गणित में कमजोर दक्षताओं की पहचान कर यह तय किया जाएगा कि किन बच्चों को अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग की आवश्यकता है। इसके बाद विद्यार्थियों के स्तर के अनुसार सुधारात्मक शिक्षण की रणनीति बनाने पर जोर रहेगा। शिक्षकों को बच्चों की वास्तविक सीखने की स्थिति के आधार पर गतिविधियां करवाने, नियमित अ यास कराने और उनकी प्रगति पर नजर रखने के निर्देश दिए जाएंगे। उद्देश्य यह है कि बच्चे केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित न रहें, बल्कि पढने, समझने, लिखने और गणितीय गणना करने में भी दक्ष बनें।

60 दिन से निरीक्षण नहीं हुआ तो होगी समीक्षा

स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने के लिए निरीक्षण और कक्षा अवलोकन को महत्वपूर्ण माना गया है। बैठक में अधिकारियों और शैक्षणिक सहयोग देने वाले कर्मचारियों के निर्धारित लक्ष्यों की समीक्षा की जाएगी। खंड शिक्षा अधिकारियों और खंड संसाधन समन्वयकों को प्रत्येक माह चार विद्यालयों का भ्रमण और आठ कक्षा अवलोकन करने होंगे। क्लस्टर संसाधन समन्वयकों के लिए पांच विद्यालय भ्रमण और दस कक्षा अवलोकन का लक्ष्य निर्धारित है

मुख्य चुनाव आयुक्त का फूंका पुतला, पद से बर्खास्त करने की मांग

वोटों में कथित हेराफेरी के विरोध में सीटू ने किया शहर में प्रदर्शन

सीटू का दावा-दिल्ली प्रदर्शन में जाने से रोकने के लिए प्रदेश में बड़ी संख्या में नौजवानों, किसानों और मजदूरों को गिरफ्तार किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद



जींद। आंबेडकर चौक पर मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए सीटू कार्यकर्ता।

वोटों में कथित हेराफेरी और मतदाता अधिकारों के सवाल पर सीटू कार्यकर्ताओं ने शनिवार को जींद के आंबेडकर चौक पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पुतले का दहन किया और उनको पद से बर्खास्त कर गिरफ्तार करने की मांग की।

प्रदर्शन से पहले कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सीटू के जिला अध्यक्ष रमेश चंद्र ने कहा कि भाजपा ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति अपनी राजनीतिक जरूरतों के अनुसार करवाई और चुनावी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों के जरिये सत्ता हासिल की। उन्होंने 14 करोड़ वोट काटे जाने और बड़े पैमाने पर कथित हेराफेरी के आरोप लगाते हुए कहा कि इन मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए तथा मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता के वोट की अहमियत सर्वोपरि है। यदि मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं तो उनकी पारदर्शी जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को तत्काल पद से हटाया जाए और उनके खिलाफ लगे आरोपों की निष्पक्ष जांच कर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि देश में आपातकाल जैसे हालात पैदा किए जा रहे हैं और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करने वाले लोगों की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आयोजित विरोध, प्रदर्शनों में शामिल होने जा रहे नौजवानों को रोका गया और सीटू नेताओं को दिल्ली में ही हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में भी बड़ी संख्या में नौजवानों, किसानों और मजदूरों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने यातायात के साधनों पर कथित पाबंदियां लगाने पर भी नाराजगी जताई और कहा कि विरोध की आवाज को दबाने के बजाय सरकार को जनता के सवालों का जवाब देना चाहिए। इस मौके पर सीटू नेता कपूर सिंह, रणबीर, पवन, गुलाब, राजेंद्र, सतबीर, सतीश सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे।

आंदोलन जारी रहेगा

रमेश चंद्र ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने, मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों की जांच कराने और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांगों पर सुनवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष आगे चल कर केंद्र सरकार के इस्तीफे की मांग तक भी पहुंच सकता है। प्रदर्शन के दौरान लोकतंत्र, मताधिकार और नागरिक स्वतंत्रताओं की रक्षा के लिए एकजुट संघर्ष का आह्वान किया।

घर-घर जाकर बुखार से पीड़ितों की जानकारी जुटाई

जींद। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालवा के अंतर्गत आसन गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने घर-घर जाकर बुखार से पीड़ित मरीजों की जानकारी जुटाई एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्वास्थ्यकर्मी मनजीत शर्मा एवं कपिल शर्मा ने घर-घर जाकर ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा बुखार से पीड़ित व्यक्तियों की पहचान की। मलेरिया के संदिग्ध मरीजों की जांच के लिए रक्त स्लाइड तैयार कर प्रयोगशाला भेजने की प्रक्रिया भी की गई ताकि समय रहते बीमारी की पुष्टि कर उचित उपचार शुरू किया जा सके।

एमपीएचडब्ल्यू मनजीत शर्मा ने ग्रामीणों को मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए बताया कि डेंगू फैलाने वाला एडीज एजिप्टी मच्छर सामान्यतः दिन के समय काटता है और साफ, ठहरे हुए पानी में पनपता है। इसलिए घरों की छतों, कूलरों, पानी की टंकियों, गमलों, फ्रिज की ट्रे, पुराने टायरों तथा टूटे बर्तनों में पानी जमा नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने लोगों से सप्ताह में कम से कम एक दिन ड्राई डे मनाने और सभी जल पात्रों को खाली करके अच्छी तरह साफ करने की अपील की। उन्होंने बताया कि तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, शरीर एवं जोड़ों में दर्द, अत्यधिक कमजोरी, त्वचा पर लाल चकत्ते या उल्टी जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में जांच करवानी चाहिए। बुखार होने पर स्वयं दवा लेने से बचना चाहिए तथा चिकित्सक की सलाह के अनुसार उपचार करवाना चाहिए।

न्यूज डायरी



राज्य पुरस्कार विजेता बलजीत सिंह का स्वागत किया

नरवाना। इस वर्ष राज्य पुरस्कार प्राप्त करने वाले नरवाना निवासी उत्कृष्ट शिक्षक बलजीत सिंह जांगडा का राजकीय प्राथमिक विद्यालय सुदकैन खुर्द में भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों ने उनके व्यक्तित्व , शैक्षणिक उपलब्धिओं तथा शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना करते हुए इसे पूरे शिक्षक समाज के लिए गौरव का विषय बताया। नवदीप बुधवार ने यह भी कहा कि बलजीत सिंह केवल एक उत्कृष्ट शिक्षक ही नहीं, बल्कि एक सरल, सहज, मिलनसार और एक श्रेष्ठ व्यक्तित्व के इंसान भी हैं । बच्चों को पढाने का उनका अनूठा तरीका आकर्षक लेखन, विषय को सरल ढंग से समझाने की क्षमता तथा विद्यार्थिओं के प्रति उनका आत्मीय व्यवहार उन्हें विशिष्ट पहचान प्रदान करता है । राजकीय प्राथमिक पाठशाला सुदकैन खुर्द द्वारा आयोजित सम्मान समारोह शिक्षक समुदाय में आपसी सम्मान, सकारात्मक प्रेरणा और उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्यों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल रहा।



युवा संसद के माध्यम से दिया नशा मुक्त भारत का संदेश

कैथल। मेरा युवा भारत कैथल की ओर से राष्ट्रीय युवा नेतृत्व कार्यक्रम के अंतर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय तितरम में नशा मुक्त युवा विषय पर ब्लॉक स्तरीय नेबरहुड यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में थाना प्रभारी तितरम वेदपाल सिंह मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। जिला युवा अधिकारी मोहित नेहरा ने मेरा युवा भारत की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए युवाओं को नेतृत्व विकास, स्वयंसेवा और राष्ट्र निर्माण से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। राज्य स्तरीय युवा संसद विजेता वर्तिका ने प्रस्तुति के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला, जबकि दैनिक जागरण युवा संसद विजेता अंजलि ने मंच संचालन किया।



एथलेटिक्स स्पर्धा में 380 खिलाड़ियों ने लिया भाग

राजौंद। जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 10 अक्टूबर को डीएवी कॉलेज चीका के खेल प्रांगण में किया गया। प्रतियोगिता में जिलेभर से लगभग 380 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विभिन्न स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किए।प्रतियोगिता का शुभारंभ चीका के समाजसेवी एवं प्राथमिक शिक्षक अजय सिरटा ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों से बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, मेहनत और टीम भावना विकसित होती है।प्रतियोगिता के समापन अवसर पर चीका के समाजसेवी महावीर शर्मा ने शिरकत की।



डीएवी स्कूल में पॉश एक्ट के प्रति किया जागरूक

पूंडरी। डीएवी पब्लिक स्कूल, पूंडरी में कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न निवारण अधिनियम (पॉश एक्ट), 2013 के प्रति जागरूकता लाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य सुशील कुमार ने की। इस अवसर पर डी कॉस्मेटिक एनर्जी संस्था से प्रशिक्षिका पूजा पांचाल एवं किरण पांचाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। प्राचार्य सुशील कुमार और स्टाफ सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षिका पूजा पांचाल ने शिक्षकों एवं कर्मचारियों को पॉश एक्ट के महत्व, इसके प्रमुख प्रावधानों तथा कार्यस्थल पर महिलाओं के अधिकारों की जानकारी दी। महिलाओं के साथ होने वाले लैंगिक उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के निवारण, आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका तथा शिकायतकर्ता की गोपनीयता बनाए रखने के महत्व के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

वेदांता स्कूल में अभिभावकों के साथ साझा की प्रगति रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरवाना



नरवाना। अभिभावकों से बच्चों के बारे में सवाद करते हुए।

वेदांता इंटरनेशनल स्कूल, कलौदा खुर्द, नरवाना में विद्यार्थियों के टर्म-1 परीक्षा परिणाम के उपलक्ष्य में पेरेंट्स-टीचर मीटिंग (पीटीएम) का सफल एवं प्रभावशाली आयोजन किया गया। इस अवसर पर अभिभावकों ने विद्यालय पहुंचकर अपने बच्चों के परीक्षा परिणाम, शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन तथा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से संबंधित जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का मूल्यांकन करना तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना रहा। विद्यालय की प्रधानाचार्या वीना दारा ने अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सफलता के लिए विद्यालय और परिवार के बीच निरंतर संवाद एवं सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी की प्रतिभा को पहचानकर उसे सही मार्गदर्शन देना विद्यालय की प्राथमिकता है। नियमित अभ्यास, अनुशासन, सकारात्मक सोच और अभिभावकों के सहयोग से विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां प्राप्त कर सकते हैं। विद्यालय के निदेशक इंजी. प्रदीप नैन ने पीटीएम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नैतिक मूल्यों, रचनात्मकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देने का आह्वान किया।

बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए आदर्श स्कूल जाखौली में अभिभावकों के साथ की चर्चा

राजौंद। आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल जाखौली में अभिभावक-अध्यापक बैठक का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 400 अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय परिसर में अभिभावकों और शिक्षकों की बैठक बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति साझा जिम्मेदारी, विश्वास और समर्पण का उदाहरण बनी। विद्यालय के प्राचार्य ओम प्रकाश शर्मा ने सभी अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य और माता-पिता की सबसे अनमोल पूंजी हैं। प्रत्येक अभिभावक अपने बच्चे को जीवन में सफल होते देखना चाहता है, वहीं प्रत्येक शिक्षक विद्यार्थियों को योग्य, संस्कारी और आत्मनिर्भर नागरिक बनाने का प्रयास करता है। जब माता-पिता और शिक्षक मिलकर प्रयास करते हैं तो बच्चों की प्रतिभा को निखारने और उनके सपनों को साकार करने में मदद मिलती है।बैठक के दौरान विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, नियमित उपस्थिति, अनुशासन, गृहकार्य, अच्छे व्यवहार और नैतिक मूल्यों के विकास पर विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षकों ने अभिभावकों को बताया कि बच्चों की सफलता में विद्यालय की शिक्षा के साथ-साथ घर का वातावरण, माता-पिता का मार्गदर्शन और पारिवारिक संस्कार भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।प्राचार्य ओम प्रकाश शर्मा ने कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा देना हमारा कर्तव्य है, लेकिन उन्हें अच्छा इंसान बनाना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। बच्चों को प्रेम, प्रोत्साहन और सही मार्गदर्शन देकर उनके आत्मविश्वास को मजबूत किया जा सकता है। विद्यालय का उद्देश्य केवल अच्छे परीक्षा परिणाम प्राप्त करना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में ईमानदारी, अनुशासन, परिश्रम और मानवीय मूल्यों की मजबूत नींव रखना भी है।



राजौंद। आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल जाखौली में शिक्षक।

वेदा इंटरनेशनल स्कूल में प्रबंधकों और अभिभावकों के बीच हुई बैठक



नरवाना। प्राचार्या सिल्की चोपड़ा अभिभावकों को संबोधित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

नरवाना। वेदा इंटरनेशनल स्कूल पटियाला रोड नरवाना में शनिवार को प्रबंधक समिति और अभिभावकों के बीच में एक सकारात्मक बैठक संपन्न हुई। पहली बार अभिभावकों और प्रबंधक समिति के बीच संवाद हुआ जो कि पहली बार अनूठी पहल है, अभिभावक और शिक्षकों की बैठक के बारे में तो सुना था, लेकिन अभिभावक और प्रबंधक समिति की बैठक के बारे में पहली बार सुना है, इसके बारे में बताते हुए प्रिंसिपल सिल्की चोपड़ा ने कहा कि वेदा इंटरनेशनल स्कूल ने यह पहल पहली बार की है और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किए जाएंगे। जिससे बच्चों के सर्वांगीण विकास के बारे में जानकारी प्राप्त होती रहे और जरूरत पड़ने पर उनमें सुधार लाया जा सके।इस अवसर पर मौजूद प्रबंधक समिति के सदस्य चेयरमैन मंजु मित्तल, प्रबंध निदेशक सुरेश मित्तल,संजय चौधरी, दिनेश गोयल, सुनीता नारंग ने भी अभिभावकों के साथ उनके विचार साझा किए। अभिभावकों ने भी उनके सवाल प्रबंधक समिति के सामने रखें, बहुत सोहार्द पूर्वक माहौल में बैठक सम्पन्न हुई और भविष्य में ऐसी बैठक आयोजित की जाएगी।

श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के समापन पर हवन

राजौंद। श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के समापन अवसर पर हवन-यज्ञ एवं भंडारे का आयोजन किया गया। धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ श्रद्धालुओं ने भाग लिया। हवन-यज्ञ के दौरान सुख-समृद्धि, शांति और सभी के कल्याण की कामना की गई। इस अवसर पर पंडित जयदेव कौशल ने विधि-विधान के साथ हवन-यज्ञ संपन्न करवाया। कथा के समापन अवसर पर आचार्य अरविंद शास्त्री और पंडित जयदेव कौशल ने हवन-यज्ञ के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने धार्मिक परंपराओं के अनुसार हवन-यज्ञ की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ऐसे धार्मिक अनुष्ठान श्रद्धा, सकारात्मकता और लोककल्याण की भावना से जुड़े होते हैं। हवन-यज्ञ के दौरान विधि-विधान के साथ मंत्रोच्चारण किया गया और श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित कीं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295154800, 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर हुआ कार्यक्रम

मानसिक रोगी की बात बिना पूर्वाग्रह के सुनें : डॉ. विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद





जींद। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बातचीत करते हुए वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. विकास फौगाट तथा नागरिक अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए चिकित्सक व अन्य स्टाफ।

आशीर्वाद अस्पताल में शनिवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (वास्तविक बदलाव के लिए व्यक्तिगत अनुभवों को स्वर) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ मनोचिकित्सक डा. विकास फौगाट ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 10 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस इस बात की याद दिलाता है कि मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य की तरह ही मानव जीवन का एक अनिवार्य और अटूट हिस्सा है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य महासंघ और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा समर्थित वर्ष 2026 का यह अभियान एक परिवर्तनकारी विषय पर केंद्रित है। इस वर्ष का मुख्य उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाने तक सीमित नहीं है बल्कि मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहे लोगों के व्यक्तिगत अनुभवों को स्वास्थ्य नीतियों, उपचार प्रणालियों और सामाजिक पहलों के केंद्र में लाना है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनियाभर में लगभग सात में से एक व्यक्ति किसी न किसी मानसिक विकार के साथ जी रहा है। जब भी कोई अपनी मानसिक परेशानी सांझा करे तो तुरंत बिन मांगी सलाह या सब ठीक हो जाएगा, जैसी औपचारिक बातें कहने से बचें। उनकी बात को बिना किसी पूर्वाग्रह के ध्यान से सुनें। ऐसा माहौल बनाएं कि जहां अपनी मानसिक स्थिति के बारे में बात करने पर करियर या शिक्षा पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। ऐसे सामुदायिक सहायता समूहों को बढ़ावा दें जहां एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने का मौका मिले।

नागरिक अस्पताल में हुआ जागरूकता रैली का आयोजन

सीएमओ डा. सुमन कोहली के मार्गदर्शन में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम जींद द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के अवसर पर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की पूरी टीम एवं नर्सिंग मेंटरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, मानसिक बीमारियों के प्रति जागरूकता और समय पर उपचार लेने का संदेश दिया। इस अवसर पर मानसिक स्वास्थ्य विषय पर एक जागरूकता व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग के उपाधीक्षक डा. राजेश भोला, जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. संकल्प डोडा तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य के समान महत्वपूर्ण बताते हुए मानसिक समस्याओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने, भ्रांतियों एवं सामाजिक कलंक को दूर करने तथा जरूरत पडने पर विशेषज्ञों से परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 11 अक्टूबर 2026

संस्कृति-आस्था का उल्लास
नवरात्रों के बहुरंगी उत्सव


बंगाल की पारंपरिक दुर्गा पूजा


गुजरात में नवरात्र का महत्वपूर्ण अंग-डांडिया


ओडिशा के कटक में 'चांदी मेधा' से सजी मां दुर्गा की प्रतिमा


उत्तर भारत में नवरात्र के दौरान होता है रामलीला का आयोजन

शारदीय नवरात्र विशेष

भारत के विभिन्न स्थानों में नवरात्र मनाने के अलग-अलग तरीके हैं। ये इस बात के प्रमाण हैं कि हमारी संस्कृति कितनी समृद्ध और विविधतापूर्ण है। बंगाल की कलात्मकता, गुजरात का नृत्य, दक्षिण का गोलू और मैसूर का राजसी वैभव, सब मिलकर एक ही सनातन शक्ति की आराधना करते हैं। यह विविधता ही हमारे देश की असली पहचान और सुंदरता है। आइए भारत के विभिन्न राज्यों में नवरात्रों और दुर्गा पूजा के अनूठे और मनमोहक स्वरूपों पर एक नजर डालते हैं।

आवरण कथा
शिखर चंद जैन

विविधता में एकता का महापर्व नवरात्रों में होने वाली दुर्गा पूजा, भारत के सबसे बड़े और उल्लासपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह केवल मां शक्ति की आराधना का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विविधता, धार्मिक, सामाजिक समरसता और उल्लास का भी जीवंत अवसर है। यद्यपि इस उत्सव का मूल भाव महिषासुर मर्दिनी मां दुर्गा की आसुरी शक्तियों पर विजय का उत्सव मनाना है, लेकिन देश के अलग-अलग राज्यों में इसे मनाने की शैलियां, परंपराएं और सांस्कृतिक रंग पूरी तरह भिन्न हैं।

बंगाल में दिखता है परंपरा-संस्कृति का संगम

पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा का रूप सबसे अधिक व्यापक, भव्य और पारंपरिक होता है। यहां यह उत्सव केवल पांच दिनों का नहीं, बल्कि पूरे साल की तैयारी का परिणाम होता है। पारंपरिक बंगाली घरों और पुराने अभिजात्य परिवारों (राजबाड़ी की पूजा) में आज भी मां दुर्गा की 'एकचाला' (एक ही अर्द्धवृत्त फ्रेम में सभी देवताओं की मूर्तियां) प्रतिमा स्थापित की जाती है। कोलकाता और अन्य शहरों में समकालीन कला, सामाजिक संदेशों या प्राचीन मंदिरों की प्रतिकृतियों पर आधारित विशाल पंडाल बनाए जाते हैं, जिन्हें देखने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। महाष्टमी के दिन नौ वर्ष से कम आयु की कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनकी विशेष पूजा की जाती है, जो नारी शक्ति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। धुनुची (धूप और नारियल के छिलकों से सुलगता पात्र) के साथ किया जाने वाला ऊर्जावान धुनुची नृत्य यहां का मुख्य आकर्षण है। वहीं, विजया दशमी के दिन विवाहित महिलाएं मां को सिंदूर अर्पित करने के बाद आपस में सिंदूर लगाकर सुखद भविष्य की कामना करती हैं।


महाराष्ट्र में नवरात्र के दौरान 'भोंडाला' खेलती महिलाएं

ओडिशा-असम में शक्तिपीठों की आराधना

पूर्वी भारत के राज्यों ओडिशा और असम में दुर्गा पूजा का अपना ही विशिष्ट और प्राचीन स्वरूप देखने को मिलता है। ओडिशा के कटक शहर में दुर्गा पूजा के दौरान मां की मूर्तियों के पीछे शुद्ध चांदी के कलात्मक मुकुट और झांकियां बनाई जाती हैं, जिन्हें 'चांदी मेधा' कहा जाता है। यहां का विसर्जन जुलूस अपनी भव्यता और संगीत आयोजन के लिए प्रसिद्ध है। जबकि असम में कामाख्या मंदिर और शक्तिपीठों के प्रभाव के कारण यहां मां दुर्गा की पूजा तांत्रिक और पारंपरिक विधि-विधान से की जाती है। यहां 'अंजली' और 'महाप्रसाद' वितरण का विशेष महत्व होता है।

गुजरात में होता है आयोजित गरबा-डांडिया का महाउत्सव

गुजरात में नवरात्रों में मां अंबा और मां दुर्गा की आराधना नृत्य और संगीत के माध्यम से की जाती है। नवरात्रों में युवक-युवतियां पारंपरिक परिधानों में सजकर मां की ज्योत (गरबी) के चारों ओर तालियों और लोकगीतों के साथ गरबा और डांडिया खेलते हैं। यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक मेल-मिलाप का सबसे बड़ा मंच बन जाता है, जहां युवा से लेकर बुजुर्ग तक पूरी ऊर्जा के साथ शामिल होते हैं।

महाराष्ट्र में होती है घटस्थापना और शस्त्र पूजा

महाराष्ट्र में नवरात्र और विजया दशमी का पर्व लोकमान्य तिलक द्वारा पुनर्जीवित सार्वजनिक गणेशोत्सव की तरह ही सामाजिक सहभागिता के साथ मनाया जाता है। अश्विन प्रतिपदा के दिन घरों में कलश स्थापना (घटस्थापना) और नौ दिनों तक अखंड दीप प्रज्वलित करने की परंपरा है। महाराष्ट्र में महिलाओं और विशेषकर युवतियों के लिए 'भोंडला' या 'हदस्तोत्सव' खेलने की अनूठी परंपरा है, जिसमें हाथी के चारों ओर घेरा बनाकर लोकगीत गाए जाते हैं। विजया दशमी के दिन यहां शमी के पत्तों (जिसे स्वर्ण माना जाता है) को एक-दूसरे को देकर शुभकामनाएं दी जाती हैं। इस अवसर पर औजारों तथा हथियारों की पूजा भी की जाती है।

दक्षिण भारत की शान है बोम्माइ गोलू और शाही दशहरा

दक्षिण भारत (विशेषकर तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश) में दुर्गा पूजा का स्वरूप कला और शाही इतिहास से जुड़ा हुआ है। तमिलनाडु और कर्नाटक में नवरात्र के दौरान घरों में सीढ़ीनुमा रैक बनाकर देवी-देवताओं, पौराणिक कथाओं और जीवन से जुड़ी गुड़ियों (बोम्माइ) को सजाया जाता है। इसे 'गोलू' कहा जाता है' जहां महिलाएं एक-दूसरे के घर जाकर हल्दी-कुमकुम और उपहार का आदान-प्रदान करती हैं। मैसूर पैलेस में मनाया जाने वाला दशहरा पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां विजया दशमी के दिन सजे-धजे हाथियों की सवारी निकाली जाती है, जिसमें मां चामुंडेश्वरी की स्वर्ण प्रतिमा को हाथी पर विराजमान कर भव्य जुलूस निकाला जाता है।


दक्षिण भारत में नवरात्र के दौरान बोम्माइ गोलू की सजावट

उत्तर भारत में रामलीलाओं की धूम

उत्तरी भारत में नवरात्रों का समापन रावण दहन और रामलीला के साथ विजया दशमी के रूप में मुख्य रूप से होता है। विशेष तौर पर उत्तर प्रदेश में इस दौरान जगह-जगह रामलीलाओं का आयोजन किया जाता है। प्राचीन काल से चली आ रही इस परंपरा का क्रेज आज भी है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू घाटी में मनाया जाने वाला दशहरा उत्सव बेहद अनूठा है। यहां सात दिनों तक स्थानीय देवी-देवताओं की पालकियों की भव्य रथ यात्रा निकलती है। यह उत्सव तब शुरू होता है, जब देश के बाकी हिस्सों में दशहरा समाप्त हो जाता है। यहां मां दुर्गा के साथ भगवान रघुनाथ की पूजा का मुख्य विधान है। *

सृष्टि का मूल आधार है 'शक्ति'। शक्ति की यह आराधना केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव सभ्यता जितनी ही प्राचीन और वैश्विक है। प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक मातृ शक्ति को नाम-तरीकों से पूजा जाता रहा है।

दुनिया भर में शक्ति पूजा
स्वरूप-मान्यताएं हैं अलग-अलग

आस्था / अंजू जैन



भारतीय उपमहाद्वीप को शक्ति पूजा का वैश्विक उद्गम केंद्र माना जा सकता है। यहां 'शाक्त संप्रदाय' के अंतर्गत शक्ति को ही सर्वोच्च सत्ता के रूप में पूजा जाता है। भारत में मां दुर्गा, काली, लक्ष्मी और सरस्वती के रूपों में शक्ति का त्रिविध स्वरूप आकर्षण, ऐश्वर्य और ज्ञान पूजनीय है। वर्ष में दो बार आने वाले 'नवरात्रि' के पावन अवसर पर नौ दिनों तक आदिशक्ति के नौ अलग-अलग रूपों (शैलपुत्री से लेकर सिद्धिदात्री तक) की पूजा की जाती है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, तिब्बत और श्रीलंका में फैले 51 शक्तिपीठ शक्ति पूजा के भौगोलिक और आध्यात्मिक विस्तार का सबसे बड़ा प्रमाण हैं। शक्ति पूजा की व्यापकता पूरी दुनिया में प्राचीन काल से आज भी विद्यमान है।

प्राचीन मिस्र में 'आइसिस' और 'सेखमेट' की आराधना: यदि हम प्राचीन वैश्विक सभ्यताओं की ओर रुख करें, तो नील नदी की घाटी (मिस्र) में


मिस्र सभ्यता की देवी 'आइसिस'

शक्ति पूजा का एक बेहद समृद्ध इतिहास मिलता है। मिस्र की सभ्यता में देवी 'आइसिस' को मातृत्व, जादू और जीवन के पुनर्जन्म की परम देवी माना जाता था, जिसकी तुलना भारतीय संस्कृति की मां पार्वती से की जा सकती है। वहीं दूसरी ओर, युद्ध और विनाश की उग्र देवी 'सेखमेट' का स्वरूप भारतीय परंपरा की मां काली से हूबहू मेल खाता है। सिंह के मुख वाली देवी सेखमेट को न्याय और संहार की शक्ति माना जाता था, जो बुरी ताकतों से ब्रह्मांड की रक्षा करती थीं।

ग्रीक (यूनानी) सभ्यता में देवियों का महातम्य: यूनान के प्राचीन दर्शन और पौराणिक कथाओं में भी स्त्री शक्ति को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था। ग्रीक पौराणिक कथाओं में देवी 'अथेना' को बुद्धि, ज्ञान और युद्ध की रणनीति की देवी माना गया है, जो मां सरस्वती और मां दुर्गा के मिले-जुले स्वरूप को दर्शाती हैं। इसी प्रकार, प्रकृति, जंगली जीवों और प्रसव की देवी 'आर्टेमिस' और पृथ्वी माता के रूप में पूजी जाने वाली देवी 'डेमेटर' (जिन्हें हम मां शाकंभरी या अन्नपूर्णा कह सकते हैं) की पूजा यूनानी समाज में अनिवार्य रूप से की जाती थी। ओलंपिक खेलों की शुरुआत भी कहीं न कहीं इन शक्तियों के सम्मान से जुड़ी थी।

मेसोपोटामिया सभ्यता में प्रेम-युद्ध की देवी इश्तार: दजला और फरात नदियों के किनारे विकसित हुई मेसोपोटामिया (आधुनिक इराक और सीरिया) की प्राचीन सुमेरियन और बेबीलोनियन सभ्यताओं में देवी 'इन्नाना' या 'इश्तार' की पूजा का व्यापक प्रचलन था। इश्तार को प्रेम, सौंदर्य, उर्वरता के साथ-साथ युद्ध की भी देवी माना जाता था। शेर की सवारी करने वाली देवी इश्तार का यह हिंसक और ममतामयी दोहरा स्वरूप बिल्कुल भारतीय सिंहवाहिनी मां दुर्गा जैसा ही है। यह इस बात का ऐतिहासिक साक्ष्य है कि मानव सभ्यता के शुरुआती दौर में भी शक्ति को एक योद्धा और रक्षक के रूप में ही देखा गया।

चीन-जापान में गुआन यिन और अमातेरासु: पूर्वी एशिया की बौद्ध और शिंतो परंपराओं में भी शक्ति पूजा ने अपना स्वरूप बदला लेकिन अपनी मूल भावना को बनाए रखा। चीन में 'गुआन यिन' को करुणा, दया और मातृत्व की देवी के रूप में पूजा जाता है। यद्यपि वे बौद्ध परंपरा से जुड़ी हैं, लेकिन आम जनमानस में उनका स्थान एक रक्षक माता का ही है। वहीं जापान की पारंपरिक शिंतो संस्कृति में


चीन में बौद्ध परंपरा की देवी गुआन यिन

'अमातेरासु' को सूर्य की देवी और संपूर्ण ब्रह्मांड की निर्मात्री माना गया है। जापानी शाही राजवंश स्वयं को सूर्य देवी अमातेरासु का वंशज मानता है, जो यह साबित करता है कि वहां राजसत्ता की शक्ति का स्रोत भी एक महिला देवी ही हैं।

अमेरिका में माया और एज्टेक की प्रकृति पूजा: कोलंबस के अमेरिका पहुंचने से बहुत पहले, वहां की समृद्ध माया और एज्टेक सभ्यताओं में प्रकृति को ही शक्ति का जीवंत रूप मानकर पूजा जाता था। एज्टेक सभ्यता में 'कोटलीक्यू' को जीवन और मृत्यु की देवी, यानी 'धरती माता' के रूप में पूजा जाता था। उनका स्वरूप भी स्कंदमाता और काली के समान उग्र और सृजनात्मक था। वहीं माया सभ्यता में 'इशचेल' को चंद्रमा, चिकित्सा और बुनाई की देवी माना जाता था। इन संस्कृतियों में फसल कटाई के समय मातृ शक्ति को धन्यवाद देने के लिए बड़े उत्सव मनाए जाते थे, जो हमारे यहां की 'नवान्न' या 'लोहड़ी', 'पोंगल' परंपरा जैसी ही है। *

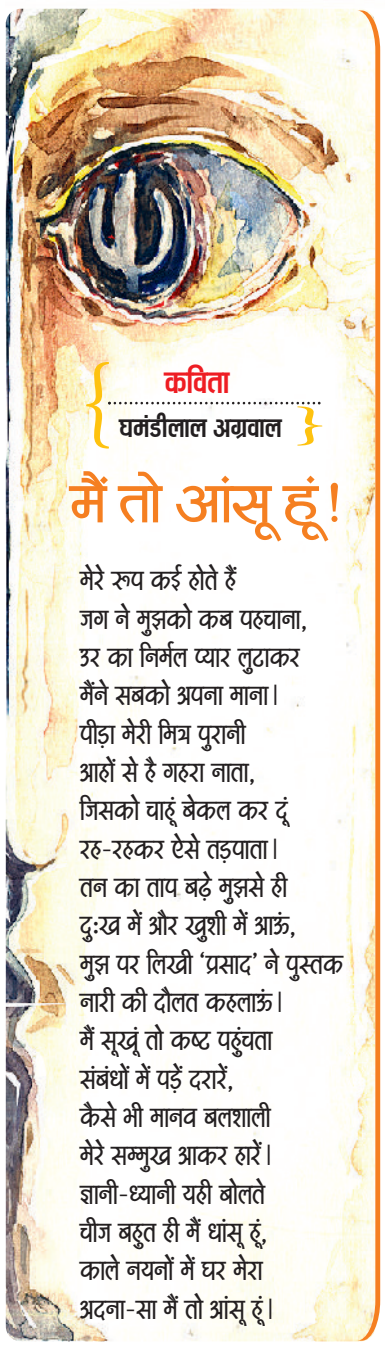

कविता
घमंडीलाल अग्रवाल

मैं तो आंसू हूं!

मेरे रूप कई होते हैं
जग ने मुझको कब पहचाना,
उर का निर्मल प्यार लुटाकर
मैंने सबको अपना माना।
पीड़ा मेरी मित्र पुरानी
आहों से है गहरा नाता,
जिसको चाहूं बेकल कर दूं
रह-रहकर ऐसे तड़पाता।
तन का ताप बढ़े मुझसे ही
दुःख में और खुशी में आऊं,
मुझ पर लिखी 'प्रसाद' ने पुस्तक
नारी की दौलत कहलाऊं।
मैं सूखूं तो कष्ट पहुंचता
संबंधों में पड़ें दरारें,
कैसे भी मानव बलशाली
मेरे सम्मुख आकर हारें।
ज्ञानी-ध्यानी यही बोलते
चीज बहुत ही मैं धांसू हूं,
काले नयनों में घर मेरा
अदना-सा मैं तो आंसू हूं।

व्यंग्य / डॉ. यशोधरा भटनागर

दोस्ती का डेटा पैक



हम बड़े भाग्यशाली समय में जी रहे हैं, जब हमारे पास दोस्तों की कोई कमी नहीं हैं। हमारे इतने दोस्त हैं कि हम खुद भूल जाते हैं कि आखिर हम किसके दोस्त हैं और कौन हमारा? भाग्यशाली समय की हर सुबह अपने दोस्तों से मिलने के साथ शुरुआत होती है और वो भी घर बैठे। मोबाइल उठाया अंगुली से स्क्रीन पर हल्का-सा स्पर्श किया, दोस्ती की दुनिया खुल जाती है। हजारों दोस्त एक साथ कतार में खड़े मिलते हैं। अब पुराने जमाने की तरह चाय पिलाने, हाल-चाल पूछने, या दुःख-सुख बांटने की कोई झंझट नहीं। यहां सब काम लाइक और इमोजी से चल जाता है।

पहले दोस्ती का मतलब था, आप बीमार पड़ें तो कोई दवा ला दे। अब दोस्ती का मतलब है, आप बीमार पड़ें तो सौ लोग लिख दें 'गेट वेल सून।' लिखने वाला इस परम विश्वास से संदेश भेजता है कि यह वाक्य दवा और दुआ से भी ज्यादा प्रभावी तरीके से काम करेगा। लिखने वाले भी निश्चिंत हो जाते हैं कि उसने दोस्ती का फर्ज अदा किया। मोबाइल में इतने 'गेट वेल' बरसते हैं कि बीमारी भी ठिठककर सोचती है। यहां दर्द असली है, या महज रस्म अदायगी है?

अब यह नई संवेदना है, जिसमें आदमी घर से नहीं निकलता, पर भावनाएं पूरी तरह आउटसोर्स कर देता है। भावनाएं डाक से नहीं, डेटा से जाती हैं और कभी-कभी 'डिलीवर' भी नहीं होतीं। इतनी फर्ज अदायगी के बाद अगर मरीज स्वस्थ हो जाए तो ठीक, नहीं तो अगली पोस्ट 'ओम शांति' की तैयारी है। सोशल मीडिया ने दोस्ती को बहुत लोकतांत्रिक बना दिया है। अब आप किसी को जानते हों या न जानते हों, दोस्ती हो सकती है। मेरे एक परिचित हैं, जो हर सुबह कई सौ लोगों को 'गुड मॉर्निंग' भेजते हैं। मैंने पूछा, 'भैया क्या आप इन सबको जानते हैं?' वे बोले, 'नहीं, पर ये सब मेरे फ्रेंड्स हैं।' मैंने सोचा, अगर यही दोस्ती है तो मोहल्ले का किराना दुकानदार मेरा आत्मीय मित्र हुआ। कम से कम वह हर महीने उधार का हिसाब पूछते समय मेरा चेहरा तो पहचान लेता है। इन ऑनलाइन दोस्तों की तरह सिर्फ डी.पी. वाला चेहरा ही नहीं पहचानता। अब आदमी के जीवन में दोस्ती का नए पैमाने, नए मापदंड बन गए हैं-लाइक्स। जिसकी पोस्ट पर ज्यादा लाइक, वह ज्यादा लोकप्रिय। लोग फोटो डालते हैं। कभी कॉफी के कप के साथ, कभी जिम में पसीना बहाते हुए, कभी पहाड़ों में मुस्कुराते हुए और नीचे सैकड़ों लोग लिख देते हैं। 'वाह!' या फिर 'कमाल है!'

हमें तो कभी-कभी लगता है कि अगर न्यूटन आज होते तो वे गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत नहीं खोजते, बल्कि यह खोजते कि पोस्ट पर लाइक किस तरह और किस गति से गिरते हैं? ऑनलाइन दोस्ती की एक और खूबी है। यहां हर आदमी बहुत खुश दिखाई देता है। कोई लिख रहा है, 'लाइफ इज ब्यूटीफुल।' कोई लिख रहा है, 'फीलिंग ब्लेस्ड।' जबकि उसी आदमी की असली जिंदगी में बिजली का बिल, बच्चों की फीस और बॉस की डांट उसकी प्रतीक्षा कर रही होती है। पर इन सब चिंताओं के बीच फुर्सत पाते ही वह एक नई फोटो डाल देता है, मानो हर समस्या हल हो गई। एक दिन हमने अपने मोहल्ले के गुड्डू से यूं ही पूछ लिया, 'भैया तुम्हारे कितने दोस्त हैं?'

'पूरे चार हजार आठ सौ। पांच हजार में दो सौ कम।' उसने बड़े गर्व के साथ मुस्कुराते हुए जवाब दिया। हमने कहा, 'अच्छा है, फिर तो तुम्हें कभी अकेलापन नहीं लगता होगा।''नहीं! नहीं! ऐसा कुछ नहीं। अकेलापन अपनी जगह है। रात को मोबाइल बंद होता है, तो दोस्ती भी 'स्लीप मोड' में चली जाती है। छत की ओर एकटक देखते हुए सोचता हूं, 'इतने सारे दोस्त हैं, पर बात किससे करूं?' उसकी बात सुनकर हम सोचने लगे। इतने दोस्तों के होते हुए भी अकेलापन?' क्योंकि दोस्ती में अब मेहनत नहीं है। मित्रों, दोस्ती का नया ज्ञान और विज्ञान यह है कि डिजिटल की दोस्ती भी बड़ी प्रगतिशील हो गई है। न इंतजार है, न रूठना है, न मनाना है। बस अंगूठा चलाना है। और दोस्त पसंद न आए तो ब्लॉक कर अंगूठा दिखाना है। संवेदनाएं शब्दों की मोहताज हो गईं हैं और भावनाओं ने इमोजी की शक्ल अख्तियार कर ली है। *

लघुकथा / सूर्यदीप कुशवाहा

कच्ची दीवार

अनन्या एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्यरत थी। उसकी कार्यक्षमता, अनुशासन और टीम के नेतृत्व करने की काबिलियत का हर कोई कायल था। इस वर्ष ऑपरेशंस हेड का पद खाली होने वाला था और अनन्या अपनी योग्यता के आधार पर इसकी सबसे प्रबल दावेदार थी। उसी विभाग में राहुल भी मैनेजर था। राहुल काम में औसत था, लेकिन उसकी नेटवर्किंग और ऑफिस के पुरुष सहयोगियों के साथ शाम की पार्टियों में उपस्थिति उसे मैनेजमेंट की नजरों में बनाए रखती थी।

पदोन्नति के इंटरव्यू का दिन आया। अनन्या ने पिछले तीन वर्षों के अपने शानदार रिकॉर्ड, कंपनी के बढ़ते हुए प्रॉफिट और टीम की सफलता का पूरा डेटा प्रस्तुत किया। दूसरी ओर, राहुल का प्रस्तुतीकरण सामान्य था। इंटरव्यू बोर्ड के मुख्य सदस्य मिस्टर खन्ना ने अनन्या से एक ऐसा सवाल पूछा, जो शायद ही किसी पुरुष उम्मीदवार से पूछा जाता। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अनन्या, आपका काम तो बेहतरीन है, लेकिन पता चला है कि आप फैमिली प्लानिंग के बारे में सोच रही हैं। यह पोस्ट तो बहुत जिम्मेदारी वाला है, ऐसे में क्या आप फैमिली के साथ ऑफिस की नई जिम्मेदारियां संभाल पाएंगी?' यह सवाल सुनकर अनन्या सन्न रह गई। उसकी योग्यता पर उसकी व्यक्तिगत जीवन को भारी माना जा रहा था। कुछ दिनों बाद घोषणा की गई कि राहुल को ऑपरेशंस हेड बना दिया गया। कारण बताया गया कि राहुल ज्यादा फ्लेक्सिबल है और जरूरत के समय उपलब्ध रह सकता है। यह अधिकतर कार्यालयों में व्याप्त उस ग्लास सीलिंग का जीवंत उदाहरण था, जहां महिलाओं को उनकी क्षमता के बजाय उनकी सामाजिक भूमिकाओं के तराजू में तौला जाता है। लेकिन अनन्या ने हार नहीं मानी। उसने एचआर विभाग में निष्पक्ष समीक्षा की मांग की और अपनी परफॉर्मेंस के आंकड़ों के साथ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।



उसने साफ शब्दों में कहा, 'प्रतिबद्धता और काबिलियत का पैमाना जेंडर नहीं, बल्कि रिजल्ट होना चाहिए।' अनन्या के साहस ने दबे स्वर में बात कर रही अन्य महिला सहकर्मियों को भी प्रेरित किया। मामला मुख्यालय तक पहुंचा और जांच में पाया गया कि राहुल का चयन पक्षपातपूर्ण था।

अंततः प्रबंधन को अपनी गलती सुधारनी पड़ी। अनन्या को न केवल वह पद मिला, बल्कि कंपनी ने नई नीतियां लागू कीं ताकि भविष्य में किसी भी महिला की योग्यता को उसके घरेलू भविष्य के अनुमानों से न आंका जाए। अब असमानता की कच्ची दीवार टूट गई थी। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संवेदना से भरी कविताएं

पेशे से फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर अदिति सक्सेना के भीतर एक कवि मन भी है। इसको प्रमाणित करता है हाल में छपकर आया उनका पहला कविता संग्रह-खो गए हम कहां। इसमें अपने आस-पास की दुनिया के साथ ही देश और पूरी मनुष्यता के प्रति उनकी संवेदनशीलता प्रकट होती है। इस लिहाज से 'बंटवारा' कविता को पढ़ा जा सकता है। कुछ ऐसे ही भाव 'मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना' कविता में भी प्रकट हुए

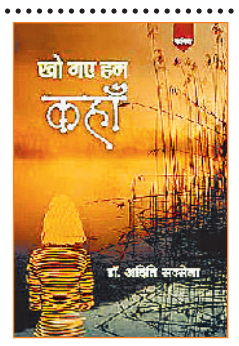

हैं तो कवयित्री को अपने देश के जांबाज सैनिकों पर भी गर्व है। इसे उन्होंने ओजस्वी शब्दों में 'हमारे वीर वायु योद्धा' में व्यक्त किया है। इन सबके साथ पुरुष प्रधान समाज में एक स्त्री को किस तरह हमेशा डरे-सहमे रहने को विवश होना पड़ता है, इस त्रासदी को बहुत मार्मिकता के साथ अदिति ने 'बलात्कार' कविता में शब्दबद्ध किया है। इसी तरह संग्रह की अनेक कविताओं में जीवन और समाज की तमाम विसंगतियों, विडंबनाओं के काव्यात्मक चित्र देखे जा सकते हैं। *

पुस्तक: आ गए हम कहां (कविता संग्रह), **लेखिका:** डॉ. अदिति सक्सेना, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

द्वीपीय जीवन-संस्कृति की झलक दिखाता

अंडमान-निकोबार का कोकोनट कार्निवल



नारियल की खुशबू, समुद्री लहरों की हरहराती आवाज और स्थानीय संस्कृति के विविध रंग, अंडमान और निकोबार द्वीप का कोकोनट कार्निवल इन सबको एक साथ समेटता है। हर वर्ष आयोजित होने वाला यह उत्सव, नारियल के बहाने इन द्वीपों के खान-पान, परंपरा, कला और संस्कृति से भी रूबरू कराता है।

पर्व-संस्कृति
धीरज बसाक

समुद्र के बीच में बसे द्वीपों की अपनी एक अलग भाषा होती है। रास्तों के किनारे झूमते नारियल के पेड़ किसी स्वागत द्वार की तरह लगते हैं और दूर तक फैला नीला पानी यह एहसास करा देता है कि भारत की भौगोलिक कहानी सिर्फ पहाड़ों, मैदानों और रेगिस्तान तक ही सीमित नहीं है। अंडमान-निकोबार पहुंचकर नजर जब नारियल के पेड़ों पर ठहरती है, तो समझ में आता है कि यहां नारियल महज एक फल या पेड़ नहीं बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी, खानपान और स्थानीय अर्थव्यवस्था का हिस्सा भी है। इस रिश्ते को उत्सव में बदल देता है यहां का कोकोनट कार्निवल, जो इस साल 17 से 18 अक्टूबर 2026 को आईटीएफ ग्राउंड, विजय पुरम पोर्ट ब्लेयर में आयोजित होगा।

द्वीपीय जीवनशैली को करीब से देखने का मौका

अंडमान-निकोबार में हर साल अक्टूबर माह में आयोजित होने वाला यह यह पारंपरिक मेला, अपना एक अलग ही चुंबकीय आकर्षण रखता है। इस मौके पर यहां आने वाले पर्यटकों को इन द्वीपों की असली जीवनशैली को करीब से देखने का मौका मिलता है। नारियल से बने खाद्य पदार्थ, स्थानीय उत्पाद, हस्तशिल्प, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और स्थानीय स्वाद, सब मिलकर इसे सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं बल्कि अंडमान की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान की झलक बना देते हैं। सैलानियों के लिए किसी जगह की असली खूबसूरती उसके प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों से आगे शुरू होती है। समुद्र तटों की तस्वीरें तो हर पर्यटक खींचता है, लेकिन उन समुद्र तटों के आस-पास रहने वाले लोगों का जीवन कैसा है, वे क्या खाते हैं, क्या बनाते हैं और अपनी प्राकृतिक संपदा को किस तरह देखते हैं? इस सबको जानना यात्रा को एक अनोखा अनुभव बना देता है।

समझ आती है नारियल की बहुपयोगिता



यहां पहुंचकर लोगों को पता चलता है कि नारियल सिर्फ मंदिर में चढ़ाने या कुछ मिठाईयों में इस्तेमाल होने तक सीमित नहीं है। इसकी उपयोगिता की बहुत लंबी-चौड़ी लिस्ट है। इसका पानी हमारी प्यास बुझाता है। इसकी गिरी हमारे भोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनती है। इसका तेल खान-पान से लेकर दूसरे घरेलू कामों में इस्तेमाल होता है, जबकि इसकी जटा और खोल से कई तरह के उपयोगी उत्पाद बनाए जाते हैं। द्वीपों में इसकी मौजूदगी इतनी स्वाभाविक है कि पर्यटकों को शायद पहली नजर में इसकी आर्थिक और सांस्कृतिक भूमिका का अंदाजा भी न हो। कोकोनट कार्निवल इसी रोजमर्रा की चीज को उत्सव के केंद्र में लाकर इसके महत्व को उजागर करता है।

अलग-अलग तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ

इस कार्निवल की एक और खूबी है, यहां पर बनाए जाने वाले विभिन्न व्यंजनों के लजीज स्वाद। अंडमान की यात्रा समुद्री भोजन के स्वाद के बिना अधूरी रहती है। स्थानीय भोजन में कई तरह के समुद्री खाद्य पदार्थों के साथ नारियल की संगति यहां देखते ही बनती है। नारियल आधारित चटनियां, करी और दूसरे स्थानीय व्यंजन यहां आने वाले पर्यटकों को उस स्वाद से परिचय कराते हैं, जो किसी होटल के सामान्य मेन्यू में नहीं मिलता। शाकाहारी यात्रियों के लिए भी यहां नारियल आधारित व्यंजनों की अपनी भरी-पूरी दुनिया है।

संस्कृति के विविध आयामों से परिचय

अंडमान-निकोबार कोकोनट कार्निवल, खान-पान के जरिए भी सैलानियों के सामने स्थानीय संस्कृति परोसता है। यहां की संस्कृति के विविध आयाम हैं, जो सदियों से रह रहे यहां के अनेक समुदायों की परंपराओं से मिलकर बनी है। स्थानीय संगीत और नृत्य, हस्तशिल्प तथा रोजमर्रा के जीवन से जुड़े उत्पाद, इस बात का एहसास कराते हैं कि द्वीपों की संस्कृति मुख्य भूमि से अलग होते हुए भी उसमें भारत की विविधता के चटक रंग घुले हुए हैं।

अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान

इस कोकोनट कार्निवल में आया कोई पर्यटक जब स्थानीय उत्पाद खरीदता है, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेता है या स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियां देखता है, तो इससे यहां की स्थानीय अर्थव्यवस्था को कई तरह से लाभ पहुंचता है। इस तरह उत्सव पर्यटन को केवल होटल्स और दर्शनीय स्थलों तक सीमित रखने की बजाय उसे स्थानीय समुदायों से जोड़ देता है।

हर अनुभव होता है यादगार

सुबह समुद्र के किनारे सूर्योदय, दिन में द्वीपों की सैर और स्थानीय बाजारों की खोज तथा शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अनुभव। कोकोनट कार्निवल के समय यहां आने वाले पर्यटक अपनी आंखों में सिर्फ अंडमान-निकोबार द्वीप की खूबसूरती ही नहीं ले जाते बल्कि इस सांस्कृतिक अनुभव को भी ले जाते हैं, जो जीवन भर उनके मन में यहां की याद ताजा बनाए रखता है। कोकोनट कार्निवल की सबसे खूबसूरत बात यही है कि यह किसी पर्यटन अनुभव की नकल करने की बजाय स्थानीय जीवन के साधारण चीज को उत्सव में बदल देता है। एक नारियल के बहाने, प्रकृति, भोजन, रोजगार, हस्तशिल्प, लोकसंस्कृति और पर्यटन, सब एक ही फ्रेम में दिखाई देने लगते हैं। *

रखें इन बातों का ध्यान

किसी भी द्वीपीय पर्यटन की तरह यहां भी जिम्मेदाराना पर्यटन बहुत जरूरी है। अंडमान-निकोबार के समुद्र तट इसलिए भी लोगों को आकर्षित करते हैं, क्योंकि ये साफ-सुथरे हैं। ऐसे में यह पर्यटकों की जिम्मेदारी भी बनती है कि ये साफ-सुथरे समुद्र तट, बाकी सैलानियों के लिए भी ऐसे ही बने रहें, इसलिए प्लास्टिक कचरा न फैलाना, समुद्री और तटीय पारिस्थितिकी का सम्मान करना, स्थानीय समुदायों और उनकी परंपराओं की तस्वीर या वीडियो लेने से पहले अनुमति लेना, स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देना जैसी बातों का पालन करें। भले ये छोटी बातें लगती हों, लेकिन संवेदनशील द्वीपों के लिए इनका बड़ा महत्व है।

सफल और समृद्ध जीवन की कामना हम सभी करते हैं। इसे हासिल किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए आपके व्यक्तित्व और व्यवहार में कुछ विशेष गुणों का होना जरूरी है। इस बारे में जानिए।

आपको सफल-समृद्ध बनाएंगी

व्यक्तित्व की खूबियां-आदतें

सक्सेस मंत्र
नेहा जैन



किसी ने क्या खूब कहा है, दौलत तिजोरी या बैंक खाते में आने से पहले सोच में जन्म लेती है। यानी सफल और समृद्ध होने के लिए हमारी सोच और व्यक्तित्व में कुछ आदतों का शामिल होना जरूरी है।

खुद पर भरोसा: हर बड़ी उपलब्धि की शुरुआत तालियों से नहीं होती। कई बार शुरुआत संदेह और उपहास से होती है। असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले लोगों में अपने विचार और अपनी क्षमता पर एक मजबूत विश्वास दिखाई देता है। इसका मतलब यह नहीं कि वे हर समय सही होते हैं। बल्कि वे गलत होने की संभावना के बावजूद कोशिश करने का साहस रखते हैं। आत्मविश्वास का सही अर्थ है- 'मुझे सब कुछ नहीं आता, लेकिन मैं सीख सकता हूं।' यही सोच नया व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित करती है।

भविष्य का सही अनुमान लगाने की आदत: आम लोग व्यवसाय के लिए देखते या विचार करते हैं कि आज बाजार में क्या चल रहा है? लेकिन असाधारण सोच वाला व्यक्ति सोचता है कि कुछ वर्षों बाद लोग क्या चाहेंगे? बाजार में किस उत्पाद या सेवा की मांग होगी। यही फर्क कई बार विचार और नवाचार के बीच होता है। तकनीक बदल रही हैं, लोगों की आदतें बदल रही हैं, काम करने के तरीके बदल रहे हैं- इन बदलावों को समझकर आगे की तैयारी करना दूरदृष्टि है।



आलोचना से बेपरवाह: जैसे ही आप कुछ नया करेंगे, राय देने वाले लोग मिल जाएंगे। कोई कहेगा, 'यह तुम्हारे बस का नहीं।' कोई कहेगा, 'इसमें पैसा नहीं है।' कोई आपके पुराने अनुभवों का हवाला देकर आपको रोकने की कोशिश करेगा। आलोचना से भागना नहीं चाहिए। लेकिन हर राय को दिल और दिमाग पर नहीं लेना चाहिए। इस विषय में सुलझा हुआ तरीका है सलाह सुनो, उसके तथ्य जांचो, उपयोगी बात अपनाओ और अंतिम निर्णय सोच-समझकर खुद लो।

बेहतर बनने की भूख: असाधारण लोग केवल सफलता पाने की इच्छा नहीं रखते। वे अपने काम में उत्कृष्टता की तलाश करते रहते हैं। यह मानसिकता दूसरों को हराने की तुलना में कहीं अधिक उपयोगी है। यह सूत्र लंबे समय में असाधारण परिणाम दे सकता है।

वर्तमान सुख के बदले बड़ा लक्ष्य: मान लीजिए आपके सामने दो विकल्प हैं अभी दो घंटे मोबाइल पर मनोरंजन या वही दो घंटे किसी जरूरी कौशल को सीखने में लगाना। तुरंत मिलने वाला सुख आकर्षक होगा। लेकिन भविष्य का लाभ अकसर कम दिखाई देता है। इसीलिए आत्म-अनुशासन इतना महत्वपूर्ण है। इसका मतलब जीवन से आनंद खत्म करना नहीं है। इसका अर्थ है यह समझना कि हर इच्छा को तुरंत पूरा करना जरूरी नहीं।

पैसे की बचत जरूरी: सफल-समृद्ध लोग जानते हैं कि धन का अर्थ केवल अधिक कमाना नहीं है। धन को संभालना, बचाना और समझदारी से उपयोग करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कोई व्यक्ति आय बढ़ा सकता है, लेकिन यदि उसका पूरा पैसा अनियोजित खर्च हो जाए तो आर्थिक सुरक्षा नहीं बनती। यानी पैसे को केवल उपभोग में खत्म करने के बजाय उसे भविष्य के लिए उपयोगी बनाना चाहिए।

जिम्मेदारी स्वीकार करना: जीवन में बहुत कुछ हमारे नियंत्रण से बाहर होता है। बाजार, मौसम, दूसरे लोगों के फैसले और कई परिस्थितियां हमारे हाथ में नहीं होतीं। साथ ही आपको समझना चाहिए कि हर परिस्थिति में कुछ न कुछ ऐसा जरूर होता है, जिस पर हमारा नियंत्रण रहता है जैसे-हमारी तैयारी, हमारा व्यवहार, हमारा अगला कदम। यही जिम्मेदारी की भावना व्यक्ति को निष्क्रिय शिकायत से सक्रिय प्रयास की ओर ले जाती है।

सीमित जोखिम लेना: सफलता की कहानियां अकसर जोखिम से जुड़ी होती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सफल व्यक्ति आंख बंद करके जोखिम लेते हैं। समझदारी यह है कि जोखिम और संभावित लाभ दोनों को देखा जाए। किसी नई स्किल को सीखने में समय लग सकता है, लेकिन वह वर्षों तक उपयोगी हो सकती है। कोई नया व्यवसाय शुरू करने से पहले बाजार, पूंजी, मांग और संभावित नुकसान समझना जरूरी है। *

हालांकि पान मूल रूप से भारतीय पौधा नहीं है। लेकिन इसकी पहचान प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति से जुड़ी हुई है। पौराणिक कथाओं, ऐतिहासिक संदर्भों, पूजा-पाठ से लेकर औषधि और सामाजिक प्रतिष्ठा के तौर पर इसका उपयोग किया जाता रहा है।

प्राचीन काल से बरकरार है

भारतीय संस्कृति में पान की शान

संस्कृति
शाहिद ए. चौधरी





पान के पत्ते को लेकर रामकथा में सुंदर प्रसंग का वर्णन मिलता है। भगवान श्रीराम का संदेश लेकर जब हनुमानजी लंका की अशोक वाटिका में पहुंचे तो संदेश पाकर माता सीता अत्यधिक प्रसन्न हो गईं और वह इसके लिए हनुमानजी को कोई उपहार देना चाहती थीं, लेकिन उन्हें आस-पास कोई फूल नहीं मिला। तब उन्होंने पास के एक पौधे से ताजा पत्ते तोड़े और उनको आपस में गूंथकर, आशीर्वाद के साथ हनुमानजी को प्रदान किया। वह पौधा पान का था। चूंकि यह प्रेमाशीष माता सीता से उन्हें मिला था, इसलिए हनुमानजी के लिए पान के पत्ते अति प्रिय हो गए, विशेषकर इसलिए कि यह सम्मान, शुद्धता व नई शुरुआत का प्रतिनिधित्व करते हैं। मान्यता है कि तभी से पूजा के दौरान जब हनुमानजी को पान के पत्ते या उनकी माला को अर्पित किया जाता है, तो वे अति प्रसन्न हो जाते हैं क्योंकि इससे उन्हें माता सीता के आशीष की याद आ जाती है। इससे हनुमानजी भक्त को सुख, अच्छी सेहत के आशीर्वाद के अतिरिक्त उसके समक्ष आने वाली बाधाएं भी दूर कर देते हैं।

प्राचीन ग्रंथों में वर्णन: पान, जिसे तंबुला भी कहते हैं, का उल्लेख प्राचीन संस्कृत, तमिल साहित्य और पांचवीं शताब्दी के कालिदास के लेखन में भी मिलता है। प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों जैसे चरक संहिता में पान की तारीफ करते हुए बताया गया है कि यह पाचन में मदद करता है, श्वास में ताजगी लाता है और शरीर के दोषों को संतुलित करता है। कामसूत्र में कहा गया है कि पान चबाने से पौरुष में वृद्धि होती है। इस पृष्ठभूमि में पान का भारतीय संस्कृति का अटूट हिस्सा बनना स्वाभाविक था और वह भी इस सीमा तक कि प्राचीन व मध्ययुग की हिंदू रियासतों (जैसे कन्नौज) में राजा के हाथों से पान हासिल करना बहुत बड़ा शाही सम्मान माना जाता था। स्वागत व विदाई में पान के पत्तों की संख्या से हैसियत मालूम होती थी- राजा को 32 पान, राजकुमार को 24 पान, ज्ञानी को 12 पान और साधारण व्यक्ति को 4 पान प्रदान किए जाते थे। औपचारिक समारोह में मेजबान दोनों हाथों से पान पेश करता था। दूसरों के सामने पान खाना और उन्हें पेश न करना अभद्रता में शुमार होता था। प्रतिद्वंदी से पान लेने के लिए मजबूर होना अपमान का घूंट पीना था। महिला द्वारा पुरुष को पान देना उसे आमंत्रित करना था।

इतिहास में मिलते हैं संदर्भ: दिलचस्प बात यह है कि पान, भारतीय पौधा नहीं है। यह इंडोनेशिया के द्वीपों व मलय प्रायद्वीप से पानी के व्यापारी जहाजों के जरिए भारत आया। कर्नाटक के बेलूर में चेन्नाकेशव मंदिर (जिसका निर्माण 12वीं शताब्दी में होयसल राजवंश ने कराया था) की बाहरी दीवारों पर एक महिला को पान के पत्ते लिए हुए दर्शाया गया है, जिससे मालूम होता है कि पान को भारत में सदियों पहले स्वीकृति मिली और अब कोई हिंदू समारोह इसके बिना पूर्ण नहीं होता है।

तमिल संगम कविता 2,000 वर्ष पुराने संसार को बयान करती है जो पान से परिचित थी। पातिप्पलाई कविता में पुहार के व्यस्त बाजारों का वर्णन है, जहां पान के पत्ते बेचे जाते थे। मदुरैकांची कविता में पान की खेती व बिक्री का जिक्र मिलता है, जबकि कुसुंटोकाई कविता में बताया गया है कि छाली के साथ पान पेश करना मेजबानी व प्रेम का प्रतीक माना जाता था। असम में मेहमान को सबसे पहले छालियां या सुपारी पेश की जाती थीं। भूटान में जब भी दो लोग मिलते तो 'डोमा ज्हेस' (कृपया पान व छाली लें) कहते।

मुगलकाल में पान का सेवन ललित कला के स्तर तक पहुंच गया। चांदी व सोने के पानदान कुलीन जीवन का आवश्यक अंग बन गए। यूरोपीय यात्रियों जैसे थॉमस रो ने लिखा है कि बादशाह जहांगीर के अपने पानदान से पान मिलना जबरदस्त राजनयिक सम्मान का प्रतीक था। दिल्ली व लखनऊ के नवाबी दौर में पान शेर-ओ-शायरी, संगीत व तवाइफों की तहजीब का हिस्सा बन गए। ब्रिटिशकाल में पान का कुलीन सांस्कृतिक स्टेटस कम होने लगा। ब्रिटिश प्रशासनिक व सेनेटरी दृष्टिकोण के तहत पान को 'गंदी देशज प्रथा' के रूप में देखा जाने लगा। छाली व तंबाकू युक्त पान खाने की आदत को मुंह व गले के कैंसर से जोड़ा जाने लगा। लेकिन इस 'कोलोनियल कलंक' के बावजूद पान खाने का सिलसिला जारी रहा।

बरकरार है रुतबा: आज भी रोजमर्रा के स्ट्रीट फूड के रूप में (देश के लगभग हर शहर में आपको पनवाड़ी की दुकान मिल जाएगी), खाने के बाद हाजमे के लिए और मेहमाननवाजी के तौर पर शादियों, उत्सवों व समारोह में। पहले जहां सिर्फ तीन किस्म के पान खाए जाते थे- मीठा पान (गुलकंद, तिल, नारियल आदि युक्त), सादा पान (सिर्फ कत्था, चुना व छाली सहित) व जर्दा पान (तंबाकू सहित) तो अब चॉकलेट, फ्रूट-फ्लेवर, फायर पान आदि भी आ गए हैं। *

शायरों की नजर में पान का अंदाज



'जब हम-कलाम हम से होता है पान खाकर/किस रंग से करे है बातें चबा-चबाकर।' मीर तकी मीर ने अपने इस शेर में फ्लर्ट करने के रोजमर्रा के पलों का शानदार नक्शा खींचा है, जिसमें प्रेमिका का पान खाना लालित्य व शरारत का माध्यम बन जाता है। पान चबाने से बोलना जानबूझकर धीमा, रंगीन, प्यारा व आकर्षण भरा हो जाता है। प्रेमी न सिर्फ शब्दों से मंत्रमुग्ध हो जाता है बल्कि इस वजह से भी कि हर 'चबाया' हुआ वर्ण शोखी में बदल जाता है। प्रेमिका के इस अंदाज से पान खाने पर मुसहफी गुलाम हमदानी कहते हैं- 'पान खाने की अदा ये है तो इक आलम को/खून रुलाएगी मिरी जान दहन-ए-सुर्ख तिरा।' लेकिन जब प्रेमिका अपने प्रेमी को पान देती है, तो असद अली खान कलक के शब्दों में यह होता है- 'होठों में दाब कर जो गिलौरी दी यार ने/क्या दांत पीसे गैरों ने क्या-क्या चबाए होंठ।' इसी विचार को अकबर इलाहाबादी ने इस तरह से कहा है- 'लगावट की अदा से उनका कहना पान हाजिर है/कयामत है सितम है दिल फिदा है जान हाजिर है।'

शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में भक्ति गीत और भजनों का क्रेज रहा है। इनमें भी मां दुर्गा को समर्पित कई गीत तो बेहद लोकप्रिय हुए और आज भी उनकी लोकप्रियता बरकरार है। यहां कुछ ऐसे ही लोकप्रिय फिल्मी गीतों पर नजर डाल रहे हैं, जिनमें मां दुर्गा की महिमा का वर्णन या उनकी शक्ति का आह्वान किया गया है।

मां दुर्गा की महिमा से दमकते

हिंदी फिल्मों के प्रसिद्ध गीत

सिने ट्रेंड
मनोज प्रकाश



फिल्म 'अवतार' का गीत 'चलो बुलावा आया है..'



फिल्म 'सुहाग' का गीत 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा'

धर्म का प्रतिनिधित्व करती हुई जब कोई फिल्म बनती है, तो उसे देखने के नए रिकॉर्ड बनते हैं और जब किसी फिल्म में चमत्कार होता है, तो वह उस फिल्म का हिट पक्ष बन जाता है। यूं तो लगभग हर देवी-देवता की बॉलीवुड फिल्मों में गीतों में स्तुति हुई है लेकिन उनमें से कुछ देवी-देवताओं पर अधिक गीत बनाए गए हैं। मां दुर्गा और उनके विभिन्न स्वरूपों का गुणगान, बॉलीवुड फिल्मों के गीतों में खूब किया जाता रहा है। कुछ फिल्में तो ऐसी हैं, जिनमें शामिल किए गए मां दुर्गा के एक गीत या भजन ने उस फिल्म को भरपूर लोकप्रियता प्रदान की। 'अवतार', 'आशा' और 'सुहाग' जैसी कई फिल्में इसका बेहतरीन उदाहरण हैं।

'अवतार' का 'चलो बुलावा आया है': फिल्म 'अवतार' वर्ष 1983 में जब आई तो इसकी कहानी ने दर्शकों के दिलों को स्पर्श कर लिया। राजेश खन्ना और शबाना आजमी ने इस फिल्म में ऐसे माता-पिता का रोल प्ले किया है, जिन्होंने अपने बच्चों के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया। इसी में जब बच्चा अधिक बीमार होता है, तो दोनों माता वैष्णो देवी के दरबार में जाते हैं और वहां जो चमत्कार होता है, वही इस फिल्म का अहम हिस्सा बन जाता है। फिल्म में नरेंद्र चंचल, महेंद्र कपूर और आशा भोसले द्वारा गाया यह गीत 'चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है', आज भी घरों-मंदिरों में भक्ति-भाव से खूब गाया, सुना और बजाया जाता है। यह मां दुर्गा को समर्पित सबसे लोकप्रिय भक्ति गीतों में से एक है। शारदीय नवरात्र हो या चैत्र नवरात्र माताराणी का यह फिल्मी भजन अवसर को और भी भक्तिमय बना देता है। मां और दुर्गा मां को केंद्र में रखकर बुना गया यह गीत आज भी उतना ही लोकप्रिय है, जितना अपने रिलीज के वक्त हुआ था।



फिल्म 'क्रांतिवीर' का गीत 'जय अंबे जगदंबे मां..'

'आशा' का 'तूने मुझे बुलाया शेरा वालिए': सन 1980 में आई फिल्म 'आशा', जितेंद्र, रीना राय और रामेश्वरी के अभिनय से सजी थी। इसमें भी नरेंद्र चंचल और मोहम्मद रफी द्वारा गाया भजन 'तूने मुझे बुलाया शेरा वालिए,' खूब लोकप्रिय हुआ। आज चाहे माता वैष्णों के द्वार पर जाने वाले भक्त हों या फिर दूसरे सिद्धपीठों में मां के दर्शन को जाते भक्त, मार्ग से लेकर मंदिर तक, हर कहीं 'तूने मुझे बुलाया शेरा वालिए, मैं आया मैं आया शेरा वालिए..' सुनाई पड़ता है। माता रानी के भक्त इसे भक्ति भावना के प्रदर्शन के साथ-साथ अपनी धार्मिक यात्रा की थकान मिटाने के लिए भी गाते हैं।

'सुहाग' का 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा नाम': 1979 की फिल्म 'सुहाग' जब आई तो एंग्री यंग मैन का जमाना था। अमिताभ बच्चन, शशि कपूर तथा रेखा की इस फिल्म का गीत- 'हे नाम रे, सबसे बड़ा तेरा नाम, ओ शेरोंवाली, ऊंचे डेरों वाली, बिगड़े बना दे मेरे काम।' मोहम्मद रफी तथा आशा भोसले ने इसमें जो लय दी है, वह ही इसको ऑल टाइम हिट बना गई। मंदिरों से लेकर दुर्गा पंडालों तक में इसकी मधुर आवाज से भक्त रमे रहते हैं। सही बात तो यह है कि चाहे डांडिया हो या गरबा सभी में इसको खूब बजाया जाता है।



'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' का गीत 'मां शेरा वालिए'

नवरात्र पर केंद्रित कई अन्य गीत हुए लोकप्रिय: अलग-अलग दौर में आई कई अन्य फिल्मों में भी मां दुर्गा पर केंद्रित गीत रचे गए। इन गीतों ने भी खूब लोकप्रियता बटोरी। आज भी लोगों के दिलों में इन गीतों की खास जगह है। 'हम दिल दे चुके सनम' का 'ढोली तारो ढोल बाजे, ढोल बाजे ढोल बाजे, की धाम धाम बाजे ढोल...' भी डांडिया पंडालों में उतना ही लोकप्रिय है, जितना कि इस फिल्म में था। फिल्म 'क्रांति' का 'दुर्गा है मेरी मां, अंबे है मेरी मां' और 'क्रांतिवीर' का 'जय अंबे जगदंबे मां' भी कम प्रसिद्ध नहीं हुए। 'मर्द' में अनु मलिक तथा शब्बीर कुमार का गाया हुआ गीत 'मां शेरोंवाली' उस समय खूब चला, जब यह मूवी आई थी। 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' का गीत इसी से मिलता हुआ था 'मां शेरा वालिए, तेरा शेर आ गया।' फिल्मों से अलग हटकर देखें तो माता के जगराते में भी यही शक्ति केंद्र में रही। आज तक गैर फिल्मी जो सबसे अधिक पसंदीदा गीत बना वह है 'प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी।' इसे तो लोकगायकों ने भी गाया और फिल्मी गायक-गायिकाओं ने भी। 'अंबे तू है जगदंबे' को तो न जाने कितने गायकों ने गाया है और बॉलीवुड ने इसे कई बार दृश्य को एक नया मोड़ देने के लिए प्रयोग किया।

दर्शकों को खूब लुभाया इन गीतों ने: इस बात में संदेह नहीं कि माता दुर्गा के तमाम रूप हैं जिन्हें बॉलीवुड ने जब तब दर्शकों के सामने अलग-अलग गीतों के रूप में पेश किया। इसके लिए फिल्म की कहानी ऐसी रखी गई जिसमें एक भजननुमा गीत इसमें समाहित किया जा सके। कहानी भी ऐसी जिसे देखकर दर्शकों की आंखें नम हो जाएं। कुछ भजनों को इस तरह से तैयार किया गया कि वह डांडिया या गरबा में भी चलें और दुर्गा जागरण या सामान्य तौर पर भक्तों को भक्ति में रमा दें। कहने का सार यही है कि बॉलीवुड फिल्मों में मां शक्ति के विभिन्न रूपों को समर्पित खूब गीत रचे गए और ऐसे गीत खूब लोकप्रिय भी हुए। *